संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 177
पृष्ठ 8
मंगलवार
18 मार्च 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सहरी में काम हो जाएगा और...

विचार- भारत-मारीशस का संयुक्त दृष्टिकोण

खेल- 100वां टेस्ट खेलने के बाद ही...

हेमवती नंदन बहुगुणा ने संघर्षों से प्रशस्त किया था अपना मार्ग: योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा ने अपना मार्ग संघर्षों से प्रशस्त किया था। स्वर्गीय बहुगुणा की पुण्यतिथि पर योजना भवन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में योगी ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान अपने विचार रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने के साथ–साथ देश के वरिष्ठ राजनेता थे। उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक करियर के दौरान सार्वजनिक जीवन की शुचिता व पारदर्शिता के साथ–साथ लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी अगाध निष्ठा थी। योगी ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उत्तर प्रदेश को विकास के पथ पर अग्रसर करने के लिए बहुगुणा जी ने जो संकल्प

और जो कार्ययोजना 1973 से 1975 के बीच तय की थी, वह आज भी हम सभी के लिए मार्गदर्शक का कार्य करती है। केंद्रीय मंत्री के रूप में भी उन्हें अलग–अलग दायित्वों के निर्वहन का अवसर प्राप्त हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज उनकी कर्मसाधना की स्थली के साथ–साथ देश की स्वाधीनता आंदोलन की लौ को प्रखरता के साथ आगे बढ़ाने के लिए उनकी संघर्षस्थली के रूप में भी जानी जाती है। 17 मार्च 1989 को अपने नश्वर देह को विसर्जित करते हुए वे हमारे बीच में नहीं रहे, लेकिन उनकी स्मृतियां आज भी समाज जीवन से जुड़े अलग–अलग पक्षों को नई दिशा प्रदान कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व केंद्रीय मंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की पावन पुण्यतिथि पर उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए प्रदेश सरकार, उत्तर प्रदेश वासियों की तरफ से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। श्रद्धांजलि सभा में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, लालजी प्रसाद निर्मल, पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों से जनता को लूट रही है सरकार : खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पेट्रोल एवं डीजल की कीमतें न घटाकर जनता को लूट रही है। खरगे ने कहा

कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में लगातार गिरावट आ रही है, लेकिन सरकार पेट्रोल और डीजल की कीमतों कम नहीं कर रही है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कच्चे तेल की क़ीमत रही है लगातार लुढ़क, पेट्रोल–डीज़ल की क़ीमतों को न घटाइ मोदी सरकार जनता को लूट रही बेधड़क। लंबे–लंबे एकतरफ़ा पॉडकास्ट कर मोदी जी जनता को केवल "मन की बात" सुनाते हैं... तेल के खेल में उलझा कर महंगाई के आंसू रुलाते हैं।''

आतंकवाद-कट्टरपंथ के खिलाफ साझा प्रयास, निवेश के अवसर को बढ़ावा

भारत-न्यूजीलैंड ने साइन किए कई अहम समझौते

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इससे आपसी व्यापार और निवेश की संभावनाओं को और बढ़ावा मिलेगा। डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण और फार्मा जैसे क्षेत्रों में आपसी सहयोग और निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अवैध प्रवास के मुद्दे से निपटने के लिए भारत और न्यूजीलैंड द्वारा एक समझौता तैयार करने के लिए काम किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कगा कि आज हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं

पर विस्तृत चर्चा की। हमने अपनी रक्षा और सुरक्षा साझेदारी को मजबूत और संस्थागत बनाने का निर्णय लिया है। संयुक्त अभ्यास, प्रशिक्षण के साथ–साथ रक्षा उद्योग में आपसी सहयोग के लिए रोडमैप बनाया जाएगा। हमारी नौसेनाएं हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा के लिए संयुक्त टास्कफोर्स 150 में मिलकर काम कर रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री लक्सन और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री लक्सन का भारत के साथ पुराना नाता रहा है... इस साल के रायसीना डायलॉग के मुख्य अतिथि के रूप में उनके जैसे युवा, ऊर्जावान, प्रतिभाशाली नेता का होना हमारे लिए खुशी की बात है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की।

दिल्ली जल बोर्ड तोड़फोड़ मामला: अदालत ने पुलिस से राघव चड्ढा को आरोपपत्र की प्रति देने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को दिल्ली पुलिस को आदेश दिया कि वह आम आदमी पार्टी (आप) के नेता राघव चड्ढा को 2020 में दिल्ली जल बोर्ड के कार्यालय में हुई तोड़फोड़ मामले में उनकी शिकायत पर दायर

आरोपपत्र की एक प्रति प्रदान करें। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया, भाजपा नेता आदेश गुप्ता और अन्य के खिलाफ मामले की जांच की निगरानी के लिए चड्ढा की याचिका के मद्देनजर यह निर्देश जारी किया। अदालत ने सुनवाई की तारीख सात अप्रैल तय की है। दिल्ली पुलिस ने 24 दिसंबर, 2020 को दिल्ली जल बोर्ड मुख्यालय में हुई तोड़फोड़ के संबंध में कोविड मानदंडों के कथित उल्लंघन के लिए एक प्राथमिकी दर्ज की थी।

हंदवाड़ा मुठभेड़ में एक आतंकवादी ढेर, हथियार बरामद

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के हंदवाड़ा उप जिले में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच आज सुबह क्रुम्हूरा जचलदारा वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद संयुक्त बलों ने तलाशी अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान दोनों पक्षों की गोलीबारी में एक आतंकवादी मारा गया। उन्होंने बताया कि हथियार और गोला–बारूद के साथ एक आतंकवादी का शव बरामद कर लिया गया है तथा अभियान समाप्त हो गया है।

बहुत जल्द 'मेड इन बिहार' लोकोमोटिव का निर्यात होगा : वैष्णव

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को राज्यसभा में घोषणा की कि बिहार के मढौरा स्थित रेल कारखाने में तैयार होने वाले लोकोमोटिव का बहुत जल्द निर्यात शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा, ''निकट भविष्य में, बिहार में जिस फैक्टरी की लालू प्रसाद जी (तत्कालीन रेल मंत्री

लालू प्रसाद) ने सिर्फ घोषणा की थी, काम नहीं किया... 2014 से उस फैक्टरी पर काम चालू किया गया। बिहार में सारण के मढौरा में, इस फैक्टरी में बने करीब 100 लोकोमोटिव का बहुत जल्द निर्यात शुरू होने वाला है। मेड इन बिहार लोकोमोटिव दुनिया में जाने वाला है।'' इस घोषणा का सदस्यों ने मेजें थपथपा कर स्वागत किया। लालू प्रसाद 2004 से 2009 तक कांग्रेस नीत संप्रग सरकार में रेल मंत्री थे। इसके साथ ही वैष्णव ने कहा कि भारत अब ऑस्ट्रेलिया को मेट्रो कोच का निर्यात कर रहा है। उन्होंने बताया कि भारत ब्रिटेन, सऊदी अरब, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया को भी रेल डिब्बों के अहम उपकरणों का निर्यात कर रहा है उन्होंने बताया कि भारत से रेल के डिब्बों और लोकोमोटिव का भी विभिन्न देशों को निर्यात किया जा रहा है। वैष्णव रेल मंत्रालय के कामकाज पर उच्च सदन में हुयी चर्चा का जवाब दे रहे थे।

भारत ने अमेरिका के सामने उठाया खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस का मुद्दा, कड़ी कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस तुलसी गबार्ड की भारत यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका में सक्रिय खालिस्तानी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' की भारत–विरोधी गतिविधियों का मुद्दा उठाया। सूत्रों के मुताबिक, भारत ने इस गैरकानूनी संगठन पर अमेरिका से सख्त कार्रवाई की मांग की है। खबर है कि रक्षा मंत्री ने अमेरिकी प्रशासन से ठोस कदम उठाने का आग्रह किया है। गबार्ड भारत की ढाई दिन की यात्रा पर रविवार तड़के राष्ट्रीय राजधानी आईं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के किसी शीर्ष अधिकारी की भारत की यह पहली उच्चस्तरीय यात्रा है। सोमवार को, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान रक्षा

और सूचना साझा करने के क्षेत्रों में भारत व अमेरिका के बीच सामरिक संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। राजनाथ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया प्रमुख से मिलकर खुशी हुई और उन्होंने भारत–अमेरिका साझेदारी को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की। रक्षा मंत्री ने कहा, ''हमने भारत–अमेरिका साझेदारी को और गहरा करने के उद्देश्य से रक्षा और सूचना साझा करने समेत कई मुद्दों पर चर्चा की।'' इससे एक दिन पहले, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और गबार्ड ने रविवार को द्विपक्षीय चर्चा की थी और दुनियाभर के शीर्ष खुफिया अधिकारियों के एक सम्मेलन की अध्यक्षता की थी। ऐसा माना जा रहा है कि डोभाल और गबार्ड ने आमने–सामने की बैठक में भारत–अमेरिका वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के अनुरूप मुख्य रूप से खुफिया जानकारी साझा करने के तंत्र को मजबूत करने और सुरक्षा क्षेत्र में मिलकर काम करने के तरीकों पर चर्चा की।

अमृतसर ग्रेनेड हमले का मुख्य आरोपी मुठभेड़ में ढेर

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब के जिला अमृतसर में एक मंदिर पर ग्रेनेड हमले का एक आरोपी सोमवार को पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया। मुठभेड़ में एक पुलिस कांस्टेबल घायल हो गया। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को बताया कि विशेष खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए कमिश्नरेट पुलिस अमृतसर ने 15 मार्च, 2025 को अमृतसर के खंडवाला में ठाकुर द्वारा मंदिर पर ग्रेनेड हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को निर्णायक रूप से ट्रैक किया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत पुलिस थाना छेहरटा में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और खुफिया जानकारी के आधार पर किए गए प्रयासों से आरोपियों की पहचान हुई। डीजीपी ने बताया कि पुलिस टीमों ने राजसांसी में संदिग्धों का पता लगाया। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने पुलिस पार्टी पर गोली चलाई, जिसमें हेड कांस्टेबल गुरप्रीत सिंह घायल हो गए और एक गोली इंस्पेक्टर अमोलक सिंह की पगड़ी में लगी।

जो लोग अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करते हैं, वे दुनिया भर में सफल हो रहे हैं : नायडू

नई दिल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि जो लोग अपनी मातृमें शिक्षा प्राप्त करते हैं, वे दुनिया भर में सफलता हासिल कर रहे हैं। नायडू ने कहा कि यह एक गलत धारणा प्रचलित है कि केवल अंग्रेजी में ही ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। विधानसभा में मुख्यमंत्री नायडू ने कहा, केवल संवाद का माध्यम है। ज्ञान से नहीं आ जाएगा। जो लोग अपनी

मातृमें पढ़ाई करते हैं, वे दुनिया भर में सफलता हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मातृमें शिक्षा हासिल करना आसान होता है। नायडू की यह टिप्पणी उपमुख्यमंत्री और जनसेना प्रमुख पवन कल्याण द्वारा हाल ही में तमिलनाडु सरकार और केंद्र सरकार के बीच जारी विवाद पर टिप्पणी करने के बाद आई है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं आपसे यह बहुत स्पष्ट रूप से कह रहा हूं... नफरत करने के लिए नहीं है। यहां (आंध्र प्रदेश में) मातृतेलुगु है। हिंदी 'राष्ट्रीय भाषा' है और अंतरराष्ट्रीय अंग्रेजी है। नायडू ने इस बात पर जोर दिया कि आजीविका के लिए मातृको भूले बिना अधिक से अधिक भाषाएं सीखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सीखने से दिल्ली में हिंदी में सहजता से बातचीत की जा सकती है।

छावनी क्षेत्र में अप्रैल से बढ़ेगा गृहकर

प्रयागराज। छावनी क्षेत्र के आवासीय और व्यावसायिक भवनों का गृहकर वित्तीय वर्ष 2025–26 से बढ़ेगा। क्षेत्र के सभी भवनों का गृहकर वृद्धि का खाका तैयार कर लिया गया है। नए गृहकर की छावनी बोर्ड के अध्यक्ष से स्वीकृति ले ली गई है। छावनी क्षेत्र के भवनस्वामियों को अप्रैल से बढ़े गृहकर का बिल मिलने लगेगा। यह बताने को कोई तैयार नहीं हो रहा कि गृहकर कितना बढ़ेगा। बढ़े गृहकर का भार क्षेत्र के 1132 भवनों पर पड़ेगा। इसमें व्यावसायिक भवन भी हैं। छावनी क्षेत्र के भवनों का हर तीन साल पर गृहकर बढ़ता है। छावनी परिषद ने चालू वित्तीय वर्ष के शुरू में इसकी तैयारी शुरू कर दी थी। गृहकर बढ़ोतरी के संबंध में लोगों से आपत्तियां भी मांगी गईं। आपत्तियों का निस्तारण किया गया। उसके बाद गृहकर बढ़ोतरी का निर्णय लिया गया। नगर निगम की तरह गृहकर वृद्धि पर छावनी क्षेत्र में वाटर टैक्स प्रभावित नहीं होगा। दो साल पहले छावनी क्षेत्र का वाटर टैक्स बढ़ चुका है।

जन्म प्रमाणपत्र है तो यू-डाइस पर रहेगा वही नाम

प्रयागराज। बच्चों के अपार आईडी में आ रही समस्याओं को देखते हुए महानिदेशक स्कूली शिक्षा ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों और बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। 11 मार्च को भेजे पत्र में महानिदेशक ने शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग में सचिव के हवाले से स्पष्ट किया है कि यदि बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध है, तो यू–डाइस पोर्टल पर वही नाम और जन्मतिथि दर्शाई जाएगी चाहे आधार आईडी में दर्ज नाम अलग हो। यदि आधार आईडी और जन्म प्रमाण पत्र में एक ही नाम है और यू–डाइस रिकॉर्ड अलग है, तो जन्म प्रमाण पत्र के अनुसार नाम अपडेट किया जाना है। यदि जन्म प्रमाण पत्र और यू–डाइस में बच्चे का रिकॉर्ड एक ही है, लेकिन आधार आईडी में अलग है, तो आधार आईडी में सुधार किया जाना है, न कि यू–डाइस रिकॉर्ड में। हालांकि, यदि छात्र के माता–पिता नाम में बदलाव के बारे में लिखित रूप में चाहते हैं, तो स्कूल के रिकॉर्ड में सुधार करने के लिए गृह मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार किया जा सकता है। यदि जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं है और बच्चे को किसी अन्य प्रासंगिक दस्तावेज के आधार पर भर्ती किया जाता है, तो यू–डाइस डेटा प्रविष्टि आधार आईडी के आधार पर की जानी चाहिए।

महाकुम्भ में चमकने वाला गंगा पथ अब अंधेरे में

प्रयागराज। महाकुम्भ में अवध क्षेत्र से आने वाले श्रद्धालुओं की संगम की राह आसान करने वाला गंगा पथ अब अंधेरे में डूब गया है। महाकुम्भ में चमकने वाले गंगा पथ की सभी लाइट खोल ली गई हैं। लाइटें खोली गईं तो अब सूर्यास्त के बाद पथ से आवागमन भी बेहद कम हो गया है। समस्या लाइट तक ही सीमित नहीं है, इसके किनारे गंदे पानी का बड़ा तालाब भी बन गया है। महाकुम्भ के पहले लगभग सात किमी मार्ग गंगा किनारे बनाया गया था। पथ किनारे लाइट भी लगाई गई। प्रतापगढ़, सुलतानपुर, अयोध्या, लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर, फैजाबाद आदि जिलों के लोगों के लिए संगम पहुंचना आसान हो गया। पथ किनारे दुधिया रोशनी में लाखों लोगों की दिन–रात आवाजाही हो रही थी। गाड़ियां फर्राटा भर रही थीं। महाकुम्भ समाप्त होने के बाद भी प्रतिदिन हजारों वाहन और लोग गंगा पथ से आवागमन कर रहे थे। लाइटें खोले जाने के बाद अब सिर्फ दिन में ही लोग आवागमन कर रहे हैं। पथ के पास मोहल्लों के लोग भी रात में अंधेरे के कारण आवाजाही नहीं करना चाहते। महाकुम्भ समाप्त होने के बाद मार्ग किनारे सफाई भी लगभग ठप हो गई है। सलोरी के सामने पथ किनारे सीवर और नाले का गंदा पानी भरने के चलते बदबू आ रही है। पथ किनारे लाइट खोले जाने के सवाल पर उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधीक्षण अभियंता मनोज गुप्ता ने बताया कि सिर्फ महाकुम्भ के लिए लाइट लगाई गई थी। सिंचाई विभाग (बाढ़ प्रखंड) के अधिशासी अभियंता दिग्विजय नारायण शुक्ल ने बताया कि उनके विभाग को सिर्फ सड़क बनाने की जिम्मेदारी सिर्फ मार्ग बनाने की थी।

होली की छुट्टी के बाद अस्पतालों में लगी मरीजों की कतार

प्रयागराज। होली की छुट्टी के लगातार अवकाश और मौसम में उतार चढ़ाव के चलते सोमवार को अस्पतालों में मरीजों की कतार लगी है। मंडल के सबसे बड़े एसआरएन अस्पताल को ओपीडी में डॉक्टरों को दिखाने के लिए सुबह सात बजे मरीज

पर्चा बनवाने के लिए कतार में लगने लगे। ऑनलाइन आभा आई डी का टोकन लेने के लिए काउंटर पर भीड़ लगी है। मेडिसिन विभाग, हार्ट, आर्थो, सर्जरी, न्यूरो, गैस्ट्रो और यूरोलॉजी विभाग की ओपीडी में सबसे ज्यादा मरीजों की भीड़ है। हृदय रोग विभाग में इको जांच के लिए आए 30 मरीज अभी इंतजार कर रहे हैं। टेक्नीशियन न होने के कारण मरीज परेशान हैं। बेली और कॉल्विन अस्पताल की ओपीडी में सुबह आठ बजे से मरीज कतार में लगे हैं। केंद्रीय पैथोलॉजी में दो काउंटर खाली होने के कारण मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

तीस जून तक रहेंगे तीन पांटून पुल

प्रयागराज। महाकुम्भ मेला क्षेत्र में बनाए गए पांटून पुलों को हटाने का कार्य इसी सप्ताह शुरू होने वाला है। जहां चकर्ड प्लेट हटाने की शुरुआत पहले ही हो चुकी थी, वहीं लोक निर्माण विभाग ने मई तक 28 पांटून पुलों को हटाने की योजना बनाई है, लेकिन त्रिवेणी, महावीर और अक्षयवट पांटून पुल को तीस जून तक आवागमन और विभागीय कार्यों के लिए संचालित किया जाता रहेगा। विभाग की ओर से 650 किमी के दायरे में 2.75 लाख चकर्ड प्लेट की रोड और 31 पांटून पुलों का निर्माण किया गया था। विभागीय अधिकारियों ने मेला समाप्त होने के बाद पहले चरण के अंतर्गत मार्च के दूसरे सप्ताह में सेक्टर 11 और 12 से चकर्ड प्लेट हटाने की शुरुआत की थी। अब जबकि होली का त्योहार बीत चुका है तो प्लेट को हटाने का कार्य तेज किया जाएगा। जिससे कि एक–एक करके पांटून पुल को हटाया जा सके। इसके लिए विभाग के जिन निर्माण खंडों को पुल बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, उन्हें पुल पर लगे पीपा, साल–स्लीपर सहित अन्य उपकरणों को सुरक्षित निकलवाकर उसे स्टोर में रखने का निर्देश दिया गया है।

दो साल से बेरोजगार, मजदूरी करने को लाचार महानगरीय बस परिचालक

प्रयागराज। पिछले 24 महीने से बेरोजगारी की मार झेल रहे महानगरीय बस सेवा के परिचालक आज भी अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। फरवरी 2023 से लगातार धरना–प्रदर्शन और आमरण अनशन के बावजूद रोडवेज प्रशासन की अनदेखी और सरकार के निष्क्रिय रवैये के कारण पूर्व संविदा कर्मचारी भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। महाकुम्भ जैसे बड़े आयोजन की तैयारियों के बीच जहां सैकड़ों नई बसें चलाई गईं, वहीं पुराने अनुभवी परिचालक अब भी अपने रोजगार की आस में दर–दर भटक रहे हैं। हालत ये है कि परिचालक अपनी जीविका चलाने के लिए ईंट भट्ठे पर मजदूरी करने को मजबूर हैं।

प्रयागराज में महानगरीय बस सेवा के बंद होने के बाद उन सैकड़ों परिवारों पर पड़ा जो इन बसों पर निर्भर थे।

नौकरी की मांग को लेकर 16 फरवरी 2023 से कर्मचारियों ने झूंसी रोडवेज वर्कशॉप में अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया। कई बार मशाल जुलूस, ज्ञापन और प्रदर्शन किया। चार सितंबर 2023 को उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव (परिवहन) आर. वेंकटेश्वरलू के प्रयागराज आगमन पर चालकों और परिचालकों ने उनसे मुलाकात की। वार्ता के दौरान सचिव ने समायोजन का आश्वासन दिया, लेकिन यह वादा आज तक अधूरा है। आंदोलन के बीच उपश्रमायुक्त कार्यालय में एक समझौता हुआ जिसमें चालकों व परिचालकों को अन्य डिपो में समायोजित करने और नई इलेक्ट्रिक बसों में परिचालकों के लिए जगह देने की बात कही गई। इसके बाद करीब

182 परिचालक और 158 चालक सड़क पर आ गए। सरकार और रोडवेज प्रबंधन के आश्वासनों के बावजूद सभी परिचालक बेरोजगार हैं। 16 फरवरी 2023 से शुरू हुआ इनका संघर्ष सितंबर 2023 में समझौते तक पहुंचा, लेकिन वादों के बावजूद स्थिति जस की तस है। महाकुम्भ के दौरान बसों की जरूरत के बावजूद इन मेहनतकश कर्मचारियों को दरकिनार कर दिया गया है।

फरवरी 2023 में इलाहाबाद की 119 जेएनआरएमयू बसों को अचानक बंद कर दिया गया। बिना किसी पूर्व सूचना या विकल्प के 182 परिचालक और 158 चालक बेरोजगार हो गए। प्रशासन का कहना था कि बसों की अवधि खत्म हो गई है और ट्रांसपोर्ट विभाग नवीनीकरण के लिए तैयार नहीं है। मगर इसका सीधा असर 90 चालकों को विभिन्न डिपो में समायोजित किया गया, लेकिन 182 परिचालक आज भी बेरोजगार हैं।

प्रयागराज के महानगरीय बस सेवा के कर्मचारी सिर्फ अपनी रोजी–रोटी की मांग कर रहे हैं। उनके अनुभव और मेहनत का सही उपयोग न केवल बस सेवा को बेहतर बनाएगा, बल्कि सैकड़ों परिवारों को राहत भी देगा। सरकार को चाहिए कि वह अपने वादों को निभाए और इन कर्मचारियों को जल्द से जल्द सेवा में वापस ले। ऐसा न होने से बेरोजगार हुए कर्मचारी अब अपने परिवार का पालने के लिए परेशान हैं। हालत यह है कि एक कर्मचारी की नौकरी जाते ही उसकी पत्नी ने भी उसे छोड़ दिया। पति और बच्चों को छोड़कर कहीं चली गई। कई ऐसे कर्मचारी हैं जो ठेलिया चला रहे हैं तो कुछ मजदूरी कर रहे हैं। जिनके पास गांव में खेती है, वे अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं लेकिन बच्चों को शहर में पढ़ाने का ख्वाब अब टूटता नजर आ रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि इस उम्र में कोई नौकरी पर नहीं रख रहा है। ई–रिक्शा संचालन के लिए भी पैसा नहीं है। किराया पर ई–रिक्शा चलाने पर मेहनताने के रूप में 300 रुपये मिलते हैं।

2011 से सिटी बस की सेवा में था। दो साल पहले अचानक सबको बेरोजगार कर दिया गया। घर में दो बेटियां पढ़ाई कर रही हैं। बहन बीटीसी कर रही है। उसकी शादी करनी है। इस बेरोजगारी की स्थिति में घर चलाना मुश्किल हो गया है।

– दिनेश विश्वकर्मा, कौड़िहार।

परिवार रायबरेली में रहता है। नौकरी मिलने के बाद शादी हुई। शादी के तीन साल बाद नौकरी चली गई। एक छोटी बिटिया है। अब बेरोजगारों की तरह रायबरेली से प्रयागराज का चक्कर लगा रहा हूं। आगे जिंदगी कैसे चलेगी, कुछ समझ में नहीं आ रहा है।

– अभय प्रताप सिंह, रायबरेली।

2011 में परिचालक बनकर सेवा शुरू की थी। परिवार में पांच बेटियां हैं। बच्चों की पढ़ाई चल रही है। एक बेटी एमबीबीएस कर रही है। खर्च काफी ज्यादा है और इस समय स्थिति और बिगड़ गई है। परिवार का साथ होने के कारण बेटियां पढ़ाई कर पा रही हैं।

2016 से नौकरी कर रहा था। बड़ा परिवार है। पांच बच्चे हैं। एक बेटा बीएससी कर रहा है। नौकरी जाने के बाद हालत ये हो गई है कि परिवार चलाने के लिए ई रिक्शा चलाना पड़ रहा है। बच्चों की आगे परवरिश कैसे होगी, समझ में नहीं आ रहा है।

–अशोक कुमार गौतम, मम्फोर्डगंज।

2011 से नौकरी कर रहा था। अचानक एक झटके में सिस्टम ने बेरोजगार बना दिया। आज परिवार को लेकर गांव में रहना पड़ रहा है। इस उम्र में कोई नौकरी नहीं मिल रही है। गांव में ही कृषि कार्य में लगा रहता हूं। लेकिन आगे का भविष्य अंधकार में है।

2009 से सिटी बस का परिचालक था। पहले कोरोना ने पूरा परिवार तबाह कर दिया। पिता, भाई, ताई समेत चार की मौत हो गई। एक भाई की हत्या कर दी गई। अब घर में अकेला हूं, परिवार की जिम्मेदारी है। बिना नौकरी के जीविका चलाना मुश्किल हो गया है।

नौकरी जाने के बाद परिवार में ऐसा भूचाल आ गया कि किसी से बयां नहीं कर सकता। दो बच्चे हैं जिनकी परवरिश अब उसके ननिहाल वाले कर रहे हैं। दो वक्त की रोटी के लिए शहर में ई रिक्शा चला रहा हूं। इसके अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

परिवार में दो बच्चे, पत्नी के अलावा मां–बाप की जिम्मेदारी है। 2016 से नौकरी कर रहा था। अब बच्चों को पढ़ाने के लिए मजदूरी करनी पड़ रही है। इसके अलावा रोजी–रोटी चलाने का कोई दूसरा साधन नहीं है। कहीं नौकरी नहीं मिल रही है।

2011 से नौकरी कर रहा था। पत्नी और तीन बच्चों की जिम्मेदारी है। कहीं नौकरी नहीं मिलने पर अब ईंट भट्ठे पर गारा का काम करता हूं। मजदूरी इतनी कम है कि उसे बता नहीं सकता। सरकार ने नहीं सुनी तो परिवार बर्बाद हो जाएगा।

नौकरी जाने के बाद कोई विकल्प नहीं बचा तो गांव में ईंट–भट्ठे पर काम करने लगा। वहां पर ध300 रुपये मजदूरी मिलती है। उसी से परिवार में दो बच्चे, पत्नी और मां की जिम्मेदारी निभानी हैं। कैसे कोई इतने पैसे में परिवार की परवरिश कर सकता है।

– अजय गुप्ता, कौड़िहार बाजार।

एक बेटा आठवीं में, दूसरा केजी में पड़ता है। उनकी पढ़ाई का खर्च निकालना मुश्किल हो गया है। खेती भी ज्यादा नहीं है। गांव में खेती का काम करके गुजारा चला रहा हूं। इस तरह नौकरी जाएगी या कभी सोचा नहीं था। सरकार हमारी ओर ध्यान दें।

मां–बाप के साथ पत्नी और दो बच्चों की जिम्मेदारी है। नौकरी 2010 से कर रहा था और अचानक से बेरोजगार हो गया। कहीं कोई नौकरी नहीं मिली तो गांव में ही खेती का काम कर रहा हूं। आगे कैसे बच्चों की पढ़ाई होगी, भगवान ही मालिक है।

–सुधांशु मिश्रा, प्रतापगढ़।

राजरूपपुर में तीन बच्चों और पत्नी को लेकर रहता हूं। नौकरी जाने के बाद खाने के लाले पड़ गए तो ई रिक्शा चलाना शुरू किया। ई रिक्शा खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। किराए पर चलता हूं। ध300 रोज की मजदूरी मिलती है। अगर नहीं गया तो उस दिन पैसा नहीं मिलता।

–पवन प्रजापति, राजरूपपुर।

बच्चों को लेकर नैनी में रहता हूं। 2010 से नौकरी में था और अचानक से सब कुछ बर्बाद हो गया। अब बच्चों की फीस देने के लिए पैसे नहीं होते हैं। नैनी से करछना जाकर गांव में ही मजदूरी करता हूं। कभी–कभी कृषि कार्य में लग जाता हूं।

कौड़िहार बाजार में कोई काम नहीं मिला तो लकड़ी काटने का ही काम करने लगा। नौकरी जाने के बाद तीनों बच्चों की पढ़ाई की चिंता है। लकड़ी काटने से बच्चों की परवरिश नहीं हो सकती है। सरकार से मांग है कि उनकी भी सुनवाई हो।

–फूलचंद विश्वकर्मा, कौड़िहार बाजार।

1– 119 बसें बंद करते समय रोडवेज प्रशासन ने किसी कर्मचारी को पूर्व सूचना नहीं दी।
2– सितंबर 2023 में हुए समझौते के बाद भी परिचालकों का समायोजन नहीं हुआ।
3– चालकों को समायोजित किया गया, लेकिन परिचालकों के लिए शासनादेश का बहाना बनाया जा रहा है।
4– 182 कर्मचारियों के बेरोजगार होने से दो हजार लोग भुखमरी के कगार पर हैं।
5– नई बसें लाने की योजना है, लेकिन अनुभवी स्टाफ को नजरअंदाज किया जा रहा है।
1– चालकों की तरह परिचालकों को भी अन्य डिपो में समायोजित किया जाए।
2– इलेक्ट्रिक बसों की खरीद होने पर, पुराने अनुभवी परिचालकों को प्राथमिकता दी जाए।
3– कर्मचारियों के प्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच नियमित बैठकें हों ताकि समस्याओं का समय पर समाधान हो सके।
4– जब तक समायोजन नहीं होता, कर्मचारियों को आर्थिक सहायता या बेरोजगारी भत्ता दिया जाए।
5– भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए एक स्पष्ट, पारदर्शी और स्थायी रोजगार नीति बनाई जाए।

जब नई बसें आएंगी तो प्राथमिकता के आधार पर इन परिचालकों को समायोजित किया जाएगा। नियमानुसार योग्यता के आधार पर रखा जाएगा। अभी सिटी बस की कोई नई बसें नहीं आई है।
– एमके त्रिवेदी, क्षेत्रीय प्रबंधक, रोडवेज

मिशन 2027 पर फोकस, जातीय समीकरण को भी तवज्जो

प्रयागराज। भाजपा ने अध्यक्ष पद के नाम की घोषणा के साथ मिशन 2027 पर भी फोकस किया है। अध्यक्षों के चयन में जातीय समीकरण का भी पूरा ध्यान रखा गया है। पार्टी ने जिले में इस बार अगड़ी, पिछड़ी जाति के अध्यक्ष के साथ ही अनुसूचित जाति का भी एक अध्यक्ष बनाया है।

भाजपा ने अध्यक्ष पद के नाम की घोषणा के साथ मिशन 2027 पर भी फोकस किया है। अध्यक्षों के चयन में जातीय समीकरण का भी पूरा ध्यान रखा गया है। पार्टी ने जिले में इस बार अगड़ी, पिछड़ी जाति के अध्यक्ष के साथ ही अनुसूचित जाति का भी एक अध्यक्ष बनाया है।

जातीय समीकरण, वर्गों की भागीदारी के साथ उम्र का भी ध्यान रखा गया है। तीनों ही अध्यक्ष की उम्र 50 से 60 वर्ष के बीच है। महानगर की बात करें तो पिछले दो बार से यहां अगड़ी जाति का ही अध्यक्ष बनाया जा रहा था, लेकिन 2024 चुनाव में राजेंद्र मिश्रा के भाजपा महानगर अध्यक्ष रहने के दौरान पार्टी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। इसी

वजह से पार्टी ने अब यहां से पिछड़ी जाति के संजय गुप्ता को महानगर अध्यक्ष पद की कमान सौंपी है।

बता दें संजय गुप्ता ने पिछले वर्ष हुए लोकसभा चुनाव के दौरान फूलपुर लोकसभा सीट से संयोजक पद की जिम्मेदारी संभाली थी। यमुनापार की बात करें तो यहां पिछड़ी जाति के शिवदत्त पटेल के बाद अनुसूचित जाति के डॉ. विभव नाथ भारती एवं उसके बाद पिछड़ी जाति के विनोद प्रजापति को अध्यक्ष बनाया गया, लेकिन इस बार पार्टी ने यहां से ब्राह्मण चेहरे के रूप में नैनी के चाड़ी गांव निवासी राजेश शुक्ला को अध्यक्ष बनाकर बड़ा दांव खेला है।

2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को यमुनापार से ब्राह्मणों का वोट उम्मीद के मुताबिक नहीं मिला। विनोद प्रजापति भी पार्टी की मंशा पर खरे नहीं उतरे। इसी वजह से पार्टी ने यहां जातीय समीकरण को देखते हुए राजेश शुक्ला को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। गंगापार में कन्हैया लाल पांडेय, अश्वनी दुबे के रूप में दो बार ब्राह्मण अध्यक्ष बनाने के बाद पिछली बार कविता पटेल को यहां का अध्यक्ष बनाया।

पिछड़ी जाति की कविता पार्टी की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरीं तो इस बार यहां से पूर्व एमएलसी निर्मला पासवान को अध्यक्ष बनाया गया है। निर्मला अनुसूचित जाति की वरिष्ठ नेता भी हैं। चर्चा इस बात की भी है कि पार्टी ने रविवार को जिन नेताओं को अध्यक्ष बनाया वह सभी डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के करीबी माने जाते हैं। ऐसे में यह माना जा रहा है पार्टी संगठन ने अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों के नाम का चयन डिप्टी सीएम से विचार विमर्श के बाद ही लिया है।

महाकुंभ के बाद फिर निशाने पर माफिया, अपराध से अर्जित संपत्तियों पर होगी कार्रवाई

प्रयागराज। महाकुंभ के बाद पुलिस ने जनपद में माफिया पर एक बार फिर हंटर चलाने की तैयारी कर ली है। अपराध से अर्जित संपत्तियों पर कार्रवाई के लिए जल्द अभियान चलाया जाएगा।

महाकुंभ के बाद पुलिस ने जनपद में माफिया पर एक बार फिर हंटर चलाने की तैयारी कर ली है। अपराध से अर्जित संपत्तियों पर कार्रवाई के लिए जल्द अभियान चलाया जाएगा। डीजीपी की ओर से इस संबंध में निर्देश मिलने के बाद जनपदीय अफसरों ने भी तैयारी शुरू कर दी है।

जनपद में उमेश पाल हत्याकांड के बाद माफिया के खिलाफ वृहद अभियान चलाया गया था। अतीक एंड कंपनी के खिलाफ पुलिस ने हर स्तर पर कार्रवाई की। करोड़ों की बेनामी संपत्तियां भी कुर्क कीं। इसके बाद पुलिस महाकुंभ के आयोजन में व्यस्त हो गई। इसके चलते पिछले आठ माह से कार्रवाई ठप है। महाकुंभ के बाद अब एक बार फिर माफिया की अपराध से अर्जित संपत्तियों पर कार्रवाई की तैयारी है।

इस संबंध में मुख्यालय से आदेश जारी होने के बाद जिला पुलिस के अफसरों ने भी तैयारी शुरू कर दी है। सभी डीसीपी, एसीपी व थानेदारों को निर्देशित किया गया है कि वह अपराध से अर्जित संपत्तियों के संबंध में कार्रवाई शुरू करें। सबसे पहले ऐसी संपत्तियों को चिह्नित करें। फिर इनकी कुर्की, जब्ती के लिए सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त करें। फिर सक्षम न्यायालय में आवेदन करें।

शहर में सर्वाधिक 8.44 टन कूड़ा निकल रहा चकिया से

प्रयागराज। शहर में प्रतिदिन 650 टन कूड़ा निकलता है। शहर से निकलने वाले कूड़े का बसवार समेत एमआरएफ सेंटर में निस्तारण किया जाता है। नगर निगम प्रशासन को छोड़कर शायद ही किसी को पता हो कि शहर के किस वार्ड से प्रतिदिन

सर्वाधिक कूड़ा निकलता है। महायोजना–2031 में पुराने शहर के चकिया को शहर का सबसे अधिक कूड़ा पैदा करने वाला वार्ड माना गया है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के लिए योजना तैयार करने वाली एजेंसी ने शहर में प्रतिदिन निकलने वाले कूड़े पर वार्डवार एक डाटा तैयार किया। एजेंसी ने शहर के पुराने 80 वार्ड का डाटा लेकर महायोजना–2031 की बुकलेट में प्रकाशित किया है। डाटा के अनुसार चकिया वार्ड से प्रतिदिन 8.44 टन कूड़ा निकलता है। कूड़ा पैदा करने के मामले में 8.4 टन के साथ नई बस्ती दूसरे स्थान पर रहा। महायोजना–2031 के अनुसार मुडेरा वार्ड 7.82 टन के साथ कूड़ा पैदा करने के मामले में तीसरे स्थान पर है। सबसे कम कूड़ा पैदा करने वालों में शहर के किनारे बसा जयंतीपुर वार्ड है। यहां सिर्फ 2.6 टन, प्रीतमनगर में तीन टन कूड़ा निकलता है। महायोजना–2031 में यह भी कहा गया है कि शहर के सिर्फ 61 फीसदी घरों से कूड़ा लिया जा रहा है। शहर से 160 टन कूड़ा संग्रहित नहीं हो पा रहा है।

ट्रेन में चढ़ते ही मोबाइल गायब कर दिया

प्रयागराज। कामायनी एक्सप्रेस में चढ़ने के दौरान एक यात्री का किसी ने मोबाइल गायब कर दिया। महाराष्ट्र निवासी विवेक कुमार हरिकांत ने प्रयागराज जीआरपी थाने में मोबाइल चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस को बताया कि वह प्रयागराज घूमने आया था। लौटने के दौरान कामायनी एक्सप्रेस में वह चढ़ रहा था। इस दौरान किसी ने उसके जेब से मोबाइल निकाल लिया।

शहर समता विचार मंच, शिलोंग इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

शिलांग। शहर समता विचार मंच शिलोंग इकाई, मेघालय की महिला काव्य गोष्ठी होली के उपलक्ष्य में ष्होली मिलन समारोहष कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ अनिता पंडा ष्अन्वीष की अध्यक्षता में

सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ अनिता पंडा, बेंगलुरु से, और विशिष्ट अतिथि नवीन राणा, गुरुग्राम से जुड़े। यह काव्य गोष्ठी 14 मार्च, 2025 को शुक्रवार को गूगल मीट पर ऑनलाइन चली। काव्यगोष्ठी का कुशल संचालन और संयोजन नीता शर्मा ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ अनिता पंडा, गीता लिंबू, नीता शर्मा, सुनीता भट्ट गोजा, नवीन कुमार राणा, मल्लिका दे विष्णु, अनुपमा प्रधान और शबरी सरकार ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। अतिथियों ने भी अपनी सुंदर रचनाओं और सार्थक प्रतिक्रिया द्वारा सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि और अध्यक्षता कर रही डॉ अनिता पंडा ने सभी कलमकारों की रचनाओं पर प्रतिक्रिया देकर सबको प्रोत्साहित किया और अपनी कविता का भी पाठ किया। अंत में नीता शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन देकर काव्यगोष्ठी का समापन किया।

प्रीतमसिंह को दी गई भुवापुर के प्रधान की जिम्मेदारी

मोरना। सगांव भुवापुर में डीपीआरओ के आदेश पर ग्राम पंचायत सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सर्व सम्मति से ग्राम पंचायत सदस्य प्रीतमसिंह को कार्यवाहक

प्रधान की जिम्मेदारी सौंपी गई। विकास खंड मोरना क्षेत्र के गांव भुवापुर के 55 वर्षीय ग्राम प्रधान राणा प्रताप का बीते 10 फरवरी को हार्ट अटैक से निधन हो गया था। सोमवार को एडीओ पंचायत योगेश्वर दत्त त्यागी की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत के भवन में ग्राम पंचायत सदस्यों की बैठक हुई। जिसमें विकास कार्यो के संचालन के लिए एक पंचायत सदस्य को प्रधान के दायित्वों की जिम्मेदारी देने पर विचार किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत सदस्य ओमपाल ने सदस्य प्रीतमसिंह का नाम पेश किया। जिस पर सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अपनी सहमति जताई। बैठक में सचिव योगेश धीमान, पंचायत सहायक अर्चित, नरदेव चौहार, भानसिंह, अमित शर्मा, सुधीर कुमार, फिरमिला, मुकेश, मुनेश, बबीता, संतलेश, धारासिंह, रविन्द्रपाल, रकमसिंह, अमित कुमार आदि मौजूद रहे।

भृष्टाचार के आरोप लगा ग्रामीणों ने रुकवा दिया सड़क का निर्माण

मोरना। सक्षेत्र मे अनेक सड़को का निर्माण जारी है। सड़को के निर्माण मे खानापूर्ति के आरोप लगातार ग्रामीण लगा रहे हैं। वहीं सड़क निर्माण मे घटिया सामग्री का आरोप लगाते हुए हाजीपुर के ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर सड़क का निर्माण कार्य बंद करा दिया जिसके बाद लोक निर्माण विभाग मे हड़कंप मच गया।

भोकरहेड़ी नगर पंचायत से जुड़े हाजीपुर गांव के मार्ग का निर्माण कार्य जारी है। सोमवार को ग्रामीणों ने निर्माण कार्य को बंद करा कर लोक निर्माण विभाग के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शन कर रहे संजीव कश्यप ने बताया की सड़क निर्माण मे मानको की धज्जियाँ उड़ाई जा रही है। बालू के स्थान मिट्टी कोरसेंट के स्थान पर खोले की लाल मिट्टी का प्रयोग किया गया व नाम मात्र का ही पत्थर डाला गया है। सड़क की चौड़ाई कहीं

चार मीटर कहीं तीन मीटर है। और अंतिम परत बेहद काम चलाऊ है। ग्रामीण राजवीर ने बताया की जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से निवेदन कर बड़े प्रयास के बाद सड़क को स्वीकृत कराया गया था। अब लोक निर्माण घटिया सड़क का निर्माण कर रहा है। ग्रामीण देवेन्द्र ने बताया की सड़क निर्माण मे भ्र्ष्टाचार को ग्रामीण बरदाश्त नहीं करेंगे। घंटो के हँगामे के दौरान ग्रामीणों ने मौके पर अधिकारियो को बुलाने की मांग की। मौके पर पहुंचे अवर अभियंता वेदप्रकाश ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया की वह मानको के अनुरूप कार्य कराया जायेगा। जिसके बाद कार्य दोबारा शुरू हुआ। प्रदर्शन करने वालों मे सभासद राजकुमार, जोगेन्द्र कश्यप, प्रदीप कश्यप, लाला,सोनू,अक्षय,प्रदीप बंजारा,अक्षय बालियान, बिन्दर उपाध्याय, राजीव,ऋषिपाल,अजय, अर्जुन, समय सिंह, रामपाल, जम्मल, बाल मुकंद, रतन सिंह आदि मौजूद रहे।

भयहरणनाथ धाम में होली उत्सव का हुआ भव्य आयोजन

फागुनी रंग में रंगा भयहरणनाथ धाम, फगुआ गीत और लोक नृत्य संग फूलों की हुई प्राकृतिक होली, कवियों ने अपनी रचनाओं से किया भाव विभोर

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में भव्य होली उत्सव का आयोजन हुआ। फगुआ गीत संगीत संग फूलों की प्राकृतिक होली ने भयहरणनाथ धाम को फागुनी रंग में रंग दिया। नामी कवियों ने एक से बढकर एक रचनाएं प्रस्तुत कर सभी को भाव विभोर कर दिया।

भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान द्वारा गत वर्षों की भांति परम्परागत होली उत्सव का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम भगवान भयहरणनाथ महादेव के साथ प्रबन्ध समिति व मन्दिर मेला समितियों के सदस्यों द्वारा पूजन करके सामूहिक फूलों की होली खेलकर उत्सव की शुरूवात की गई। तदोपरान्त धाम स्थित पूर्व प्राचार्य लालता प्रसाद सिंह स्मृति सभाकक्ष में फागुनी गीतों का गायन क्षेत्रीय समाज द्वारा प्रारम्भ हुआ।

प्रारम्भ में ही सभी का स्वागत धाम के महासचिव सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव ने कहा कि होली उत्सव में प्राकृतिक फूलों संग होली का दृश्य देखकर दिल खुश होता है। धाम में निरन्तर होने वाले ऐसे आयोजन समाज को सुख व खुशियाली की वोर ले जाते हैं। पर्यावरण सेना के प्रमुख अजय क्रान्तिकारी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर ऐसे आयोजनों की महत्ता पर बल दिया। स्वास्थ्य मंत्रालय नई दिल्ली के अधिकारी डा0 गणेश शंकर मिश्र की अध्यक्षता में कवि सम्मेलन का सुरूचिपूर्ण आयोजन हुआ। संचालन राज्य विश्वविद्यालय प्रयागराज के अतिथि प्रवक्ता डा0 पीयूष मिश्र पीयूष ने किया। कवयत्री मंजू पाण्डेय महक जौनपुरी के काव्य पाठ से कवि सम्मेलन की शुरूवात हुई। वहीं नामी गीतकार डा0 अशोक अग्रहरि व चन्द्र भूषण तिवारी चन्द्र के गीतों पर सभी झूमने पर मजबूर हो गए। प्रसिद्ध कवि शैलेन्द्र जय ने अपनी कई रचनाए प्रस्तुत कर लोगो को आनन्दित किया। कपिल देव तिवारी,प्रभात पाण्डेय आदि कवियों ने अपनी रचनाओं से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

हरि कीर्तन मंडल पूरे तोरई के कलाकारों द्वारा लोक गायक अजब नारायण पाण्डेय के संयोजन में होली व फगुआ गीतों की प्रस्तुतियां देकर होली उत्सव को फगुआमय कर दिया। वहीं नेहरू युवा केन्द्र प्रतापगढ द्वारा विराट सांस्कृतिक दल के माध्यम से होली नृत्य की उत्कृष्ठ प्रस्तुतियां हुई। साथ ही विविधा सांस्कृतिक जागरूकता परक प्रस्तुतियां दी गई। महाशिवरात्रि मेले में सराहनीय सेवाएं देने हेतु नगर पंचायत के स्वच्छताग्रहियों व सुपरवाईजरों को अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व महासचिव समाज शेखर द्वारा सम्मानित किया गया। वरिष्ठ पत्रकार अजय कुमार पाण्डेय,मतेन्द्र नाथ कीर्ति, देवेन्द्र मिश्र,प्रभाकर राय,धर्मेन्द्र पटेल,अम्बुज शर्मा,सुनील तिवारी व प्रिंस प्रजापति सहित समाजसेवी आशुतोष त्रिपाठी व दीपक तिवारी को भी सराहनीय संवाओं हेतु अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से संरक्षक राज नारायण मिश्र, लालता प्रसाद मिश्र, अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, संगठन डा0 अमर बहादुर सिंह, कार्यक्रम उमाकान्त पाण्डेय, वित्त एवं लेखा राजीव नयन मिश्र, सचिव संगठन राज किशोर मिश्र, सहकोषाध्यक्ष कमलेश बैश्य, विधि परामर्शी रमा शंकर मिश्र, प्रबन्ध समिति सदस्य अनिल मिश्र सोनू प्रभाकर पाण्डेय राज कुमार मिश्र तथा मेला व्यवस्था समिति के सचिव अनिल मिश्र व मन्दिर व्यवस्था समिति के सचिव सच्चिदान्द पाण्डेय मुरली कार्यालय प्रभारी संजीव मिश्र नीरज, शिव अग्रहरि, अंशुमान सिंह, तेज प्रताप सिंह व स्वच्छता नायक राज कुमार गौतम ने प्रमुख भूमिका निभाई।

सनातन परिवारों को मंदिर जाने का संकल्प लेना चाहिए- अरविंद जी महाराज

मुजफ्फरनगर। आज महाराजा अग्रसेन भवन में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन कथा व्यास पूज्य अरविंद जी महाराज ने कहा कि मंदिरों की स्थिति अच्छी नहीं है ऐसे में सनातनियों को मंदिर जाने का संकल्प लेना चाहिए, परिवार के मुखिया को यह ध्यान देना चाहिए कि परिवार का प्रत्येक बालक किसी ना किसी कारण मंदिर जरुर जाएं, मंदिर में लग रही मशीनें सनातन धर्म के दुर्भाग्य कारक है। महाराज श्री ने कथा के द्वितीय दिन भागवत जी के प्रथम श्लोक (सत्यं पर धीमहि) की व्याख्या करते हुए कहा कि सत्य जीवन का आधार है, शुकदेव कथा, भीष्म स्तुति, परीक्षित जन्म, कपिल देव आहुति संवाद और सृष्टि क्रम विषयो पर प्रकाश डालते हुए कहां की संत, सनातन और सद्गुरु की कृपा से भागवत कथा श्रवण का सौभाग्य प्राप्त होता है, राधा नाम कीर्तन के माध्यम से राधा नाम की महिमा बताई, महाराज श्री ने कहा कि कलयुग में अपने कल्याण के लिए कथा एवं कीर्तन दोनों सुद्रण एवं सरल साधन है।

कथा रुपी अमृत पान करने के लिए पात्रता आवश्यक है अतः स्वयं को पात्र बनाए।

महामृत्युंजय सेवा मिशन अध्यक्ष संजीव शंकर जी महाराज ने भागवत स्थान की महिमा बताते हुए कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे जनपद में ही ऐसा सिद्ध पीठ शुकतीर्थ है जहां भगवती जी का प्रथम बार अवतरण हुआ।

कथा के मुख्य यजमान श्रीमती साधना तायल,अजय तायल एवं श्री विनोद सिंघल ने सपत्नी व्यास पीठ का पूजन किया।

आज कथा में आरती के समय मुख्य रूप से वरिष्ठ समाजसेवी भीमसेन कंसल,पूर्व विधायक अशोक कंसल,सत्य प्रकाश मित्तल, अजय अग्रवाल, योगेंद्र मित्तल, पुरुषोत्तम सिंहल, अजय तायल, विनोद सिंघल,प्रदीप गोयल,योगेश सिंघल (भगत जी) सत्य प्रकाश रेशू, उपेंद्र बंसल, संजय गुप्ता, आशुतोष कुच्छल, मित्रसैन अग्रवाल, विनोद गुप्ता, अचिन कंसल, तेजराज गुप्ता, राकेश अग्रवाल, अमरीश सिंघल, श्रवण (सर्राफ),महेश जिंदल, अनूप कुच्छल, भुवनेश गुप्ता, राकेश अग्रवाल, वही कथा महिला मंडल में मुख्य रूप से श्रीमती साधना तायल, श्रीमती अंजू अग्रवाल, श्रीमती लतिका गोयल, श्रीमती अलका सिंगल, श्रीमती मयूरी स्वरूप, श्रीमती साधना गोयल, श्रीमती अनीता मित्तल, श्रीमती रेखा मित्तल, श्रीमती सुधा कुचल, श्रीमती नीता बंसल इत्यादिस

मासिक पंचायत किसान भवन सिसौली

कर्ज में दबा किसान आज आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहा है- चौधरी नरेश टिकैत

सिसौली (मुजफ्फरनगर)। भकियू मुख्यालय सिसौली स्थित किसान भवन में आयोजित मासिक पंचायत में आज क्षेत्रीय किसानों ने हिस्सा लिया और सरकार की गलत नीतियों को लेकर सभी वक्ताओं ने चर्चा की।

मासिक पंचायत को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत जी ने कहा कि सरकार आज फसल के भाव ना देकर किसान को कर्ज लेने पर मजबूर कर रही है कर्ज में दबा किसान आज आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहा है हम सभी को संगठित

होकर इस लड़ाई को लड़ना होगा आने वाले समय में देश के किसान के सामने अनेकों चुनौतियां आने वाली है जिसका हमें डटकर मुकाबला करना होगा, आज की मासिक पंचायत की अध्यक्षता गठवाला खाप के हसनपुर थाबेदार संजीव मलिक जी ने की और संचालन जिला मीडिया प्रभारी जनपद मुजफ्फरनगर शक्ति सिंह ने किया। पंचायत में बतीसा खाप,बुढ़ियान खाप जावला,राठी खाप,लाठियान खाप के चौधरी और थाबेदार मौजूद रहे साथ में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय से लेकर जिला स्तर तक के पदाधिकारी मौजूद रहे।

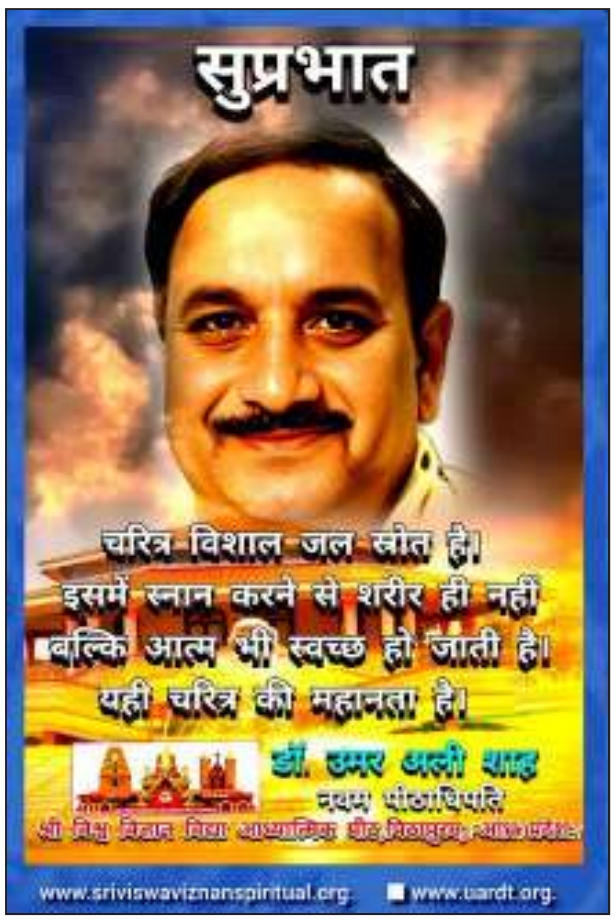

जीवन एक प्रवाह है

(कुण्डलिया)

जीवन एक प्रवाह है,नहीं जहाँ ठहराव।
सबको यह मुस्कान दे,मगर न रखे लगाव।
मगर न रखे लगाव, अर्थ इसका है गहरा।
बहता दरिया नीर,तोड़कर जैसे पहरा।
सुन लो कहें प्रदीप,लगे सब नीमन–नीमन।
लाखो हैं संदर्भ, बताते सच्चा जीवन।।

यादों की है पुस्तिका,संबंधों का पेज।
व्याख्या पढ़िएगा मगर,रखना इन्हें सहेज।
रखना इन्हें सहेज, निवारण होगा सच्चा।
कुछ भी हो परिणाम, मिलेगा अच्छा– अच्छा।
कहते सखा प्रदीप, लाज रख हर वादों की।
सुख का बोना बीज,याद रख प्रिय यादों की।।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

वारंटी प्रधानपति को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा न्यायलय

भोपा। सचार वर्ष पूर्व के मामले मे पुलिस ने न्यायलय द्वारा वारंट जारी होने पर पुलिस ने रुड़कली प्रधान पति को गिरफ्तार कर न्यायलय के समक्ष प्रस्तुत किया है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव रूड़कली फतेह अली के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षामित्र के पद पर तैनात सुदेश पाल ने बीते मार्च 2021 में भोपा थाने पर मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया था कि पूर्व प्रधानपति और उस समय प्रधान पद प्रत्याशी मोहम्मद उस्मान उस पर अपने पक्ष की फर्जी वोट बनाने का दबाव बना रहा था। जांच के दौरान जब बीएलओ ने फर्जी वोट बनाने से इनकार किया तो आरोपी अपने भाई इमरान के साथ विद्यालय में आया और गाली गलौच करते हुए बीएलओ को जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित बीएलओ द्वारा जान का खतरा बताते हुए आरोपी पर पंचायत चुनाव को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। मामला माननीय न्यायालय में विचाराधीन चल रहा है। थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश रोरिया ने बताया कि उक्त मुकदमे में न्यायालय से आरोपी उस्मान के वारंट जारी हुए थे जिसपर जॉली चौकी पर तैनात उप निरीक्षक राजदीप सिंह ने अपनी टीम के साथ उस्मान को उसके घर से गिरफ्तार कर न्यायलय के समक्ष प्रस्तुत किया है। मौ. उस्मान की पत्नी वर्तमान मे ग्राम प्रधान है।

लापरवाही दिन भर नहर मे बहता रहा लापता महिला का शव

मोरना। सरविवार को महिला का शव दिन भर भोपा क्षेत्र की गंग मे बहता रहा। किन्तु गोताखोर न मिलने का बहाना कर पुलिस ने शव को बाहर नहीं निकलवाया जिसके बाद थाना क्षेत्र के गांव अथाई से शव सिखेड़ा थानाक्षेत्र की चितौडा झाल से बरामद किया गया है। जिसकी पहचान अथाई निवासी लापता महिला के रूप मे हुई है। पुलिस ने परिजनों की शिनाख्त पर शव को पोस्ट मार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस पर लापरवाही के आरोप लगाये हैं। भोपा थाना क्षेत्र के गांव अथाई निवासी सरिता बीते दो मार्च को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। जिसके बाद महिला के पति अमरीश ने गांव के ही दो युवकों पर उसकी पत्नी को ले जाने का आरोप लगाया था।तथा थाने पर तहरीर देकर पत्नी की बरामदगी की गुहार लगाई थी।इसी बीच रविवार को एक महिला का शव गंग नहर में बहते हुए दिखाई पड़ा तो ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी।किन्तु पुलिस गौताखोर की तलाश करती रही और महिला का शव दिनभर थाना क्षेत्र की नहर मे बहता रहा जिसकी वीडियो इंटरनेट पर वायरल होती रही।सोमवार की सुबह शव को सिखेड़ा थानाक्षेत्र के चितोडा झाल से निकाला गया।परिजनों ने शव की शिनाख्त सरिता के रूप में की है।

सम्पादकीय.....

अब आस्था भी डिजिटल ठगों के निशाने पर

प्रयागराज में महाकुंभ संपन्न हो गया जिसमें करीब 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया। कुछ अप्रिय घटनाओं को छोड़ दें, तो सभी स्नान पर्व सकुशल संपन्न हुए। लेकिन देश में गहरे तक जड़ जमा चुके डिजिटल स्कैम की गूंज इसमें भी सुनाई दी। पुलिस,साधुओं तथा श्रद्धालुओं– सभी को डिजिटल स्कैमरों ने शिकार बनाया। डिजिटल स्कैम की सही संख्या बताना मुश्किल है लेकिन पर्यटक हैलीकॉप्टर बुक कराने,आश्रमों में ठहराने, रेलवे टिकट बुक करने जैसे मामलों में शिकार हुए हैं। फर्जी बेबसाइटों के माध्यम से उन्हें खासी रकम गंवानी पड़ी। ऐसे में जब चार धाम यात्रा का आगाज आगामी अप्रैल में होगा, तो यात्रियों को डिजिटल फ्रॉड से बचाने के लिए सरकार के साथ–साथ एआई महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। चार धाम यात्रा पर आने वाले भक्तों की संख्या हर वर्ष बढ़ ही रही है। बीते वर्ष यानी 2024 में चार धाम यात्रा के दौरान करीब 48 लाख भक्तों ने दर्शन किए। इस यात्रा में होटल–धर्मशाला, हैलीकॉप्टर बुकिंग, जल्दी दर्शन कराने आदि के नाम पर खूब फर्जीवाड़ा देखा गया है। सर्वाधिक फ्रॉड हैलीकॉप्टर से केदारनाथ की बुकिंग में सामने आए। सरकार व सभी एजेंसियां इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन से ही बुकिंग पर जोर देती हैं लेकिन कई बार जल्दबाजी या मिलती–जुलती नकली साइटों से बुकिंग करा लेने पर यात्री डिजिटल फ्रॉड के शिकार हो जाते हैं। स्कैमर फर्जी बेबसाइट बना देते हैं, जो हैली बुकिंग साइट जैसी नजर आती हैं। हर काम में एआई तेजी से मददगार बनकर सामने आयी है, तो चार धाम यात्रा में भी इसे महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। चार धाम यात्रा के लिए ऑनलाइन बुकिंग प्रणाली में एआई का एकीकरण किया जाए तो यह सिस्टम यात्रियों की बुकिंग की जानकारी का विश्लेषण कर सकता है और डिजिटल फ्रॉड के पैटर्न को पहचान सकता है। इसके बाद स्कैमरों पर रोक लगाई जा सकती है। अगर एआई आधारित फ्रॉड डिटेक्शन अल्गोरिद्म विकसित हो तो यात्रियों की बुकिंग की जानकारी का विश्लेषण आसानी से हो सकेगा। इसके माध्यम से कौन डिजिटल फर्जीवाड़ा कर सकता है या कर रहा है, उसे पहचानकर रोका जा सकता है। बॉक्स के माध्यम से कई सिम एक साथ लगाकर भी स्कैम को अंजाम दिया जा रहा है। बुकिंग कराते समय एआई सिस्टम के जरिये फर्जी एजेंसियों से यात्री को अलर्ट किया जा सकता है।इस साल जब चारधाम की यात्र के लिए बुकिंग आरंभ हो, तो किस समय यात्री अधिक बुकिंग कर रहे हैं, कौन से दिनों की बुकिंग उनकी प्राथमिकता है, उसकी भी एआई सिस्टम वास्तविक समय में निगरानी कर सकता है। इस प्रक्रिया में डिजिटल फ्रॉड को पहचाना जा सकता है। स्कैमरों का पैटर्न हर दिन बदल रहा है दृ पहले लॉटरी , बैंक ओटीपी और अब साइबर अरेस्ट से आगे नई तरकीबों के बारे में सोच रहे हैं। एआई के माध्यम से वह नकली आवाज बनाकर डराते हैं और अगर यात्रा में ये स्कैम आरंभ हो गये तो तीर्थ यात्रियों के लिए बड़ा जोखिम होगा। एआई के माध्यम से इस आशंकित फ्रॉड को रोका जा सकता है। वहीं एआई सिस्टम सुरक्षित भुगतान प्रणाली भी विकसित कर सकता है। यात्रा के दौरान यात्रियों को स्थानीय जानकारी प्रदान करना, सुरक्षा और सुविधा प्रदान करना, विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाने में मदद करना आदि के अलावा एआई यह भी बता सकता है कि डिजिटल फ्रॉड होने के स्ति में तुरंत पुलिस और अधिकारियों से कहां और कैसे संपर्क करें।

भारत-मारीशस का संयुक्त दृष्टिकोण

प्रेम शर्मा

भारत को भी इसकी अहमियत का भान है, इसलिए मित्रता का स्वाभाविक दायित्व निभाने के साथ–साथ भारत ने पिछले कुछ वर्षों में मारीशस में कई विकास योजनाओं में निवेश किया है।

भारत और मारीशस के बीच संबंधों का एक लंबा इतिहास हैं। दुनिया में समकाल उथल–पुथल के बीच समय समय पर दोनों देशों के बीच साझेदारी के नए अध्याय लिखे जाते रहे। अब भारतीय प्रधानमंत्री की मारीशस यात्रा को कई कारणों से महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। इसलिए भी कि दुनिया इस समय भू– राजनीति के एक जटिल दौर से गुजर रही है और इसमें आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर नए धुव बन रहे हैं। ऐसे में भारत के रुख पर विकासशील देशों या वैश्विक दक्षिण के साथ–साथ महाशक्ति माने जाने वाले देशों की भी नजर रहती है। वैसे भी शीतयुद्ध के दौरान दुनिया दो मुख्य धुवों में बंटी हुई थी और कई देशों के नीतिगत फैसले भी उसी से तय होते थे, उस दौर में भी भारत की अहमियत जगजाहिर रही। अब पिछले कुछ समय से अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के साथ–साथ दुनिया भर में बन रहे नए समीकरण के बीच भी भारत का रुख सभी देशों के लिए मायने रखता है। अच्छा यह है कि भारत ने महाशक्ति कहे जाने वाले से लेकर बाकी तमाम देशों के साथ अपने संबंधों को खास महत्त्व दिया है। प्रधानमंत्री की ताजा मारीशस यात्रा के आखिरी दिन उन्नत रणनीतिक साझेदारी के लिए भारत–मारीशस का संयुक्त दृष्टिकोण जारी किया गया था जो मुख्य रूप से दोनों देशों के बीच खास और अनूठे संबंधों को रेखांकित करता है। इस दौरान बनी सहमति के तहत बुनियादी ढांचा कूटनीति, वाणिज्य, क्षमता निर्माण, वित्त, आवास, अपराध की जांच, समुद्री यातायात निगरानी, डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित बातचीत के जरिए द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया गया। भारत मारीशस के सम्बंधों में भारत द्वारा मारीशस की नई संसद भवन का निर्माण की बड़ी अहमियत है। पिछले कुछ वर्षों से चीन के रवैये के मद्देनजर रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहयोग को भारत और मारीशस के बीच संबंधों का एक महत्त्वपूर्ण स्तंभ मान कर साझेदारी के सफर को आगे बढ़ाना भी एक अहम कड़ी है। हालांकि मुक्त और सुरक्षित हिंद महासागर क्षेत्र सुनिश्चित करने के मामले में साझा प्रतिबद्धता वाले देश के रूप में इन दोनों देशों को एक स्वाभाविक साझीदार माना जाता है। यही वजह है कि समुद्री चुनौतियों का सामना करने और व्यापक रणनीतिक हितों की सुरक्षा के लिए मिल कर काम करने का अपना पुराना संकल्प दोहराया। भारतीय विदेश नीति की प्राथमिकता सूची में पड़ोस प्रथम के तहत भी मारीशस का स्थान महत्त्वपूर्ण है। हिंद महासागर में मारीशस अपनी भौगोलिक अवस्थिति की वजह से भारत के लिए एक बेहद अहम रणनीतिक साझेदार है। भारत को भी इसकी अहमियत का भान है, इसलिए मित्रता का स्वाभाविक दायित्व निभाने के साथ–साथ भारत ने पिछले कुछ वर्षों में मारीशस में कई विकास योजनाओं में निवेश किया है। दोनों देशों के बीच रिश्ते में एक गहराई भी आई है। रणनीतिक लिहाज से मारीशस की भारत के साथ बढ़ती घनिष्ठता से चीन का असहज होना स्वाभाविक ही है, क्योंकि बीते कुछ समय से चीन कई स्तर पर ऐसी गतिविधियां जारी रखे हुए है, जिससे भारत को घेरा जा सके। उम्मीद की जा सकती है कि मारीशस के साथ भारत का संबंध अब एक नए अध्याय में प्रवेश करेगा और नई वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार नई रणनीति तैयार की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय मॉरिशस यात्रा ने दोनों देशों के करीबी रिश्तों के अतीत, वर्तमान और भविष्य से जुड़े तमाम पहलुओं को बेहतरीन ढंग से रेखांकित किया है। इस दौरान दोनों देशों के बीच हुए आठ समझौते बेहद अहम हैं। प्रधानमंत्री को वहां के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा जाना भी खास है। लेकिन ये सब उन रिश्तों के अच्छे फल मात्र हैं, जिनकी जड़ें दोनों देशों की समान सांस्कृतिक और औपनिवेशिक पृष्ठभूमि से ताकत लेते हुए उन्हें वर्तमान और भविष्य की साझा दृष्टि से लैस करती हैं। ज्ञात हो कि मॉरिशस के समाज के बड़े हिस्से का भारतीय मूल 13 लाख आबादी वाले इस द्वीपीय देश में करीब 70 प्रतिशत लोग भारतीय मूल के हैं। इसी से जुड़ा दूसरा अहम पहलू यह है कि मॉरिशस भी गुलामी के खिलाफ लंबे संघर्ष से गुजर चुका है। 1968 में ब्रिटेन से आजादी हासिल करने के बाद भी देश के एक हिस्से पर संप्रभुता कायम करने की उसकी जद्दोजहद हाल तक चलती रही। ब्रिटेन ने मॉरिशस की आजादी के बाद भी उसके एक द्वीपसमूह चागोस पर अपनी संप्रभुता बनाए रखी थी। लंबी कशमकश के बाद पिछले साल उसने चागोस पर मॉरिशस की संप्रभुता को मान्यता देना स्वीकार कर लिया, इस शर्त के साथ कि उसके एक हिस्से, डिएगो गार्सिया द्वीप पर अगले 99 साल तक उसका कब्जा रहेगा। ध्यान रहे, डिएगो गार्सिया में अमेरिका–ब्रिटेन का सैन्य अड्डा है। इस लंबी कशमकश के दौरान भारत मॉरिशस के संघर्ष में उसके साथ बना रहा। न सिर्फ पीएम मोदी ने यात्रा के दौरान इस तथ्य को रेखांकित किया बल्कि मॉरिशस के प्रधानमंत्री रामगुलाम ने भी इसे दोनों देशों की दोस्ती का एक पुख्ता प्रमाण बताया। पीएम मोदी की यह यात्रा दस वर्षों के अंतराल पर हुई और इसमें द्विपक्षीय रिश्तों की बेहतरी इस रूप में भी व्यक्त हुई कि तब भारत का जो विजन उन्होंने सागर के रूप में प्रकट किया था, वह अब महासागर का रूप ले चुका है। कुल मिलाकर वैश्विक हलचल के बीच भारत और मॉरीशस ने व्यापार, सुरक्षा और विकास में समझौतों के माध्यम से अपनी रणनीतिक साझेदारी को प्रतिबलित किया है। भारत का महासागर दृष्टिकोण और बुनियादी ढाँचागत समर्थन क्षेत्रीय सहयोग को सुदृढ़ बनाता है, बाह्य प्रभावों से संरक्षा प्रदान करता है और आर्थिक संबंधों का सुदृढ़ीकरण करता है।

जीवटता और काबिलियत की बेमिसाल सुनीता

डॉ. संजय वर्मा

आप अंतरिक्ष को नहीं चुनते। अंतरिक्ष आपको चुनता है। दृ यह साबित होता है सुनीता (सुनी) एल. विलियम्स और उनके एक सहयोगी बुच विल्मोर की कहानी से, जो करीब दस महीने तक अंतरिक्ष में फंसे रहने के बाद अंततः घर वापसी की राह पर हैं। किसने सोचा था कि 5 जून 2024 को पृथ्वी से 400 किलोमीटर दूर परिक्रमा कर रहे अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचीं 59 साल की भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और 61 साल के बुच विल्मोर ऐसे अटकेंगे कि महज आठ दिन का उनका सफर दस महीने की यात्रा में तब्दील हो जाएगा। उन्हें आईएसएस तक ले गया उनका यान बोइंग स्टारलाइनर तकनीकी दिक्कतों की वजहों से दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को वापस नहीं ला सका। इसके बाद नया यान भेजकर उन्हें वापस लाने की कोशिशें शुरू करने में अलग–अलग कारणों से विलंब होता चला गया। लंबे इंतजार के बाद एलन मस्क के यान स्पेसएक्स क्रू–10 से उन्हें 18 या 19 मार्च 2025 को वापस पृथ्वी पर लेकर आने की संभावना थी हालांकि 13 मार्च को तय लांच टालना पड़ा है तो कुछ विलंब हो सकता है। ऐसे दौर में जब दुनिया की कई निजी कंपनियां अंतरिक्ष पर्यटन की अपनी योजनाओं को अमली जामा पहनाने के पराक्रम कर रही हैं, कुछेक पर्यटक अंतरिक्ष कही जाने वाली सरहदों को छूकर सकुशल धरती पर वापस लौट चुके हैं, सुनीता और बुच विल्मोर की कहानी पृथ्वी से पार यात्रा और जीवन की जटिलताओं की बानगी पेश करती है। यह मामला सिर्फ कोलंबिया और चौलेंजर शटल जैसे हादसों की स्मृतियों का नहीं है, बल्कि यह भी है कि अगर हम पृथ्वी के वायुमंडल से बाहर की दुनिया में कदम रखते हैं तो वहां लंबे समय तक टिके रहना और वापसी करना कितना मुश्किल है। अपनी किस्म की पहली उड़ान पर आईएसएस तक गए जिस बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान को सुनीता और बुच के संग आठ दिनों में लौट आना था, उसका एक उद्देश्य यह था कि यह यान नियमित इस्तेमाल में कैसा प्रदर्शन करेगा। लेकिन पहली ही यात्रा में इसके प्रोपल्शन सिस्टम में हीलियम गैस की लीकेज और यान को गति देने वाले कुछ थ्रस्टर्स के बंद होने से नासा को यह जोखिम लेना उचित नहीं लगा कि दिक्कतें दे रहे यान से दोनों अंतरिक्षयात्रियों को वापस लाया जाए। बेशक, स्टारलाइनर बिना कोई सवारी लिए धरती पर वापस लौटा और उसकी सुरक्षित लैंडिंग भी हुई जिससे इस यान की क्षमता और योग्यता साबित हुई, लेकिन सुनीता और विल्मोर अनिश्चित काल के लिए आईएसएस पर अटक गए। यूं तो आईएसएस पर यात्रियों के टिके रहने के कई कीर्तिमान बन चुके हैं। जैसे, नासा के यात्री पैगी व्हिटसन अलग–अलग यात्राओं के जरिए कुल 675 दिनों तक अंतरिक्ष में रहने का रिकॉर्ड बना चुके हैं। उनके अलावा जेफ विलियम्स (534 दिन), मार्क वंदे हेई (523), स्कॉट केली (520), शेन किम्ब्रू (388) और माइक फिन्के (382) दिन अंतरिक्ष में बिता चुके हैं। इनमें से एक ही बार में सबसे लंबी अवधि तक आईएसएस पर बने रहने का कीर्तिमान फ्रैंक रूबियो के पास है, जो वहां लगातार 371 दिनों तक वहां रहने के बाद 27 सितंबर 2023 को पृथ्वी पर वापस आए थे। उनके बाद मार्क वंदे हेई (355 दिन), स्कॉट केली (340), क्रिस्टीना कोच (328), पैगी व्हिटसन (289), एंड्रयू मॉर्गन (272), माइकल लोपेज–एलेग्रिया (215) और जेसिका मेयर (205) ने लगातार 6 महीने से अधिक समय आईएसएस पर बिताया है। लेकिन पूर्व योजना के तहत अंतरिक्ष में रहना और किसी समस्या या दुर्घटना के कारण वहां फंस जाना एक दूसरी बात है। ऐसी स्थितियां लंबे समय तक पहले कभी नहीं बनीं और इस मामले में सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर का नाम रिकॉर्ड्स में अलग ढंग से दर्ज होगा। वैसे तो यह भी कोई कम जीवट का काम नहीं है कि किसी अनहोनी के कारण कोई यात्री अंतरिक्ष में फंस जाने के बाद भी खुद को वहां टिकाए रखे और निराश हुए बगैर तमाम गतिविधियों में खुद को उम्मीद के साथ व्यस्त रखे कि जल्द ही वापसी का कोई तरीका निकाल लिया जाएगा। इस मामले में इन दोनों यात्रियों ने अद्भुत जिजीविषा का परिचय दिया। जैसे, कई आशंकाएं जताई गईं कि आईएसएस पर फंसे होने के कारण सुनीता की सेहत खराब हो गई है, वजन गिर गया है, तो उन्होंने इन चिंताओं का जवाब दिया कि उनका वजन उनके आईएसएस पर आने के समय के जितना ही है। इन जवाबों से बड़े उत्तर इन्होंने आईएसएस पर इस दौरान किए प्रयोगों के जरिये दिए। नासा के मुताबिक इन नौ महीनों में सुनीता, बुच विल्मोर और आईएसएस पर मौजूद एक अन्य यात्री निक हेग ने साथ मिलकर 150 से ज्यादा वैज्ञानिक और तकनीकी परीक्षण किए उल्लेखनीय है कि यह लेख लिखे जाने तक आईएसएस पर मौजूद यात्रियों की कुल संख्या सात थी, जिनमें से चार अमेरिकी और तीन रूसी हैं। इसके अलावा आईएसएस के रखरखाव, मरम्मत और पुराने उपकरण बदलने जैसे कई अन्य काम किए गए। सुनीता के नाम एक रिकॉर्ड और दर्ज हुआ कि इस अवधि में उन्होंने साढ़े 11 घंटे तक स्पेसवॉक (आईएसएस से बाहर निकलकर अंतरिक्ष में चहलकदमी करना) की जिसे मिलाकर उनकी स्पेसवॉक की कुल अवधि 62 घंटे 9 मिनट हो जाती है। यह किसी महिला अंतरिक्ष यात्री द्वारा बनाया गया स्पेसवॉक का सबसे नया रिकॉर्ड है। अपने एक अन्य मिशन में सुनीता अंतरिक्ष में मैराथन भी पूरी कर चुकी हैं। पूरी दुनिया आज सुनीता और विल्मोर को उनके अभूतपूर्व जीवट के लिए सराह रही है, लेकिन सुनीता विलियम्स से हमारा नाता कुछ अलग है। स्व. कल्पना चावला के बाद अंतरिक्ष में जाने वाली वह भारतीय मूल की दूसरी महिला हैं। जहां तक आईएसएस पर सुनीता के पदार्पण का सवाल है कि इससे पहले यह कारनामा वह दो बार कर चुकी हैं। पहली बार वह अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर 2006 में गई थीं। तब वह 9 दिसंबर 2006 से 22 जून 2007 तक आईएसएस पर रही थीं। उस पहली अंतरिक्ष यात्रा के दौरान वह छह महीने तक स्पेस में रही और इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर उन्होंने कई अनूठे प्रयोग किए थे। उन्होंने वहां स्पेस मैराथन का अनोखा रिकॉर्ड भी बनाया था यानी उन्होंने जनवरी, 2006 में बोस्टन मैराथन के लिए क्वालीफाई किया था, लेकिन अंतरिक्ष यात्रा के कारण वे पृथ्वी पर आयोजित इस दौड़ में हिस्सा नहीं ले पाई थीं। यह काम उन्होंने अप्रैल 2006 में वास्तविक मैराथन के वक्त अंतरिक्ष में चार घंटे 24 मिनट तक ट्रेडमिल पर यान समेत पृथ्वी के दो चक्कर लगाते हुए किया। यह पहला मौका था, जब कोई अंतरिक्ष यात्री स्पेस में रहते हुए इतना दौड़ा हो। तब बोस्टन में आयोजित हुई वास्तविक मैराथन के दौरान उन्होंने आईएसएस पर ट्रेडमिल पर दौड़ते हुए करीब 42 किलोमीटर की दूरी तय की थी। उस वक्त उनकी बहन डीना पांड्या ने पृथ्वी पर मैराथन में हिस्सा लिया था। आईएसएस की उनकी दूसरी यात्रा 14 जुलाई से 18 नवंबर 2012 के बीच हुई थी। इसी अवधि में पहली बार उन्होंने अपना जन्मदिन 19 सितंबर को अंतरिक्ष में मनाया था। वहीं इस मौके पर रहस्य साझा किया था कि इस यात्रा में वह अपने साथ श्रीमद्भगवत गीता की एक प्रति, भगवान गणेश की मूर्ति और समोसे लेकर गई थीं। अपनी इस दूसरी यात्रा में सुनीता एक्सपिडिशन–32 के चालक दल में एक फ्लाइट इंजीनियर की भूमिका में थीं। यानी आईएसएस पर पहुंचने पर वह अंतरिक्ष यात्रा एक्सपिडिशन–33 की कमांडर बनी थीं। बहरहाल, सुनीता में हमारी दिलचस्पी सिर्फ इसलिए नहीं हैं कि वे भारतीय मूल की हैं। बल्कि इसलिए भी है कि वे कई भारतीय रीति–रिवाजों में यकीन रखती हैं और उन्हें अपनाती हैं। पहले कल्पना चावला और अब सुनीता विलियम्स का हमारे लिए आकर्षण बन जाना अपने आप में कई अर्थ रखता है। इन महिला वैज्ञानिकों में हमारी दिलचस्पी सिर्फ इसलिए नहीं है कि इन्होंने कोई रिकॉर्ड बनाया है, बल्कि इसकी एक वजह यह है कि भारत में ऐसे प्रतीकों की कमी है।

कर्नाटक में अल्पसंख्यकों को सरकारी ठेकों में 4 प्रतिशत कोटा क्यों? बताए कांग्रेस

कमलेश पांडे

कांग्रेस शासित कर्नाटक की सरकार ने अल्पसंख्यक ठेकेदारों को सरकारी खरीद के ठेकों में 4 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया है, उससे मुस्लिम सबसे ज्यादा लाभान्वित होंगे। हालांकि, राज्य सरकार का यह निर्णय वैधानिक दृष्टि से न्यायसंगत प्रतीत नहीं होता है। ऐसा इसलिए कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश तो है, लेकिन यह हिंदुओं के हिस्से वाला हिंदुस्तान भी है। जबकि हमारे राजनेता और उनके श्चमचे बुद्धिजीवीश वोट बैंक की लालच में इस कड़वी सच्चाई को नजरअंदाज करते हैं, जिससे देश में अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की सियासत को मजबूती मिलती है। चूंकि इसका सर्वाधिक लाभ मुस्लिम ठेकेदारों को मिलेगा, इसलिए कांग्रेस के इस फैसले की प्रवृति और प्रकृति पर कतिपय सवाल उठना लाजिमी है। पहला, अल्पसंख्यक वर्ग में यह आरक्षण मुस्लिमों, ईसाइयों, सिखों, जैनों, बौद्धों आदि को 4 फीसदी में से कितना–कितना प्रतिशत मिलेगा या फिर पिछले दरवाजे से सिर्फ मुस्लिमों को ही वरीयता दी जाएगी? दूसरा, जब दलितों, आदिवासियों और ओबीसी को सरकारी ठेकों में आरक्षण मिलेगा तो फिर ईडब्ल्यूएस से जुड़े गरीब सवर्णों को क्यों नहीं मिलेगा? तीसरा, महिलाओं और युवाओं को क्यों नहीं?किसानों–मजदूरों–कारीगरों को क्यों नहीं? सिर्फ सरकारी ठेकों में ही क्यों, प्राइवेट ठेकों और ग्लोबल ठेकों में क्यों नहीं? चतुर्थ, सिर्फ कर्नाटक में ही क्यों, हिमाचल प्रदेश आदि कांग्रेस या इंडिया गठबंधन शासित राज्यों में क्यों नहीं? खैर, सवालों की फेहरिस्त बड़ी लंबी हो सकती है और जवाब सिर्फ यही कि कांग्रेस की कमान बैकडोर से वैसे लोगों के हाथों में जा चुकी है जो इस पार्टी को जनमानस में अलोकप्रिय बनाने पर आमादा हैं। पहले समाजवादियों और फिर राष्ट्रवादियों की राजनीतिक सफलता का राज भी यही है। इतिहास गवाह है कि अपनी घोर तुष्टिकरण की सियासत के चलते भारत और अधिकांश राज्यों की सत्ता से बाहर है। 2014 और 2019 के आम चुनावों में उसकी हैसियत विपक्ष का नेता बनने लायक भी नहीं रही थी। 2024 में उसे जो अप्रत्याशित उछाल मिला, उसके उत्साह में वो फिर अतिरेक भरे फैसले कर रही है, जिससे साफ है कि कांग्रेस अब सत्ता प्राप्ति और राष्ट्र निर्माण नहीं बल्कि श्पार्टी ध्वंसश और श्देश–समाज विध्वंसश को गति देने की राजनीति पर आमादा है। उसकी गलत नीतियों का ही तकाजा है कि पहले भारत टूटा, फिर पाकिस्तान टूटा और कांग्रेस भी कई बार टूटी। यदि सही कहा जाए तो श्कांग्रेसश की असली नेता ममता बनर्जी (तृणमूल कांग्रेस नेत्री और पश्चिम बंगाल की चार बार से मुख्यमंत्री) हैं, न कि नेहरू–गांधी परिवार के सियासी जमींदार, जो सौभाग्य से नेता प्रतिपक्ष तो हैं, लेकिन वैचारिक और रणनीतिक तौर पर उसके श्नाकाबिलश हैं! तभी तो खुद इंडिया गठबंधन के उनके साथी भी उन्हें अपना नेता मानने को लेकर किंतु परन्तु करते रहते हैं! मेरी बात उन्हें बुरी लग सकती है, लेकिन इसके मर्म को आत्मसात कर लिए तो उनकी पार्टी की सियासी किस्मत भी बदल सकती है, क्योंकि जिस पार्टी ने देश को आजादी दिलाई, सर्वाधिक समय तक देश–प्रदेश पर राज किया, उसकी मौजूदा दुर्दशा पर हर कोई तरस खाएगा। चर्चा के मुताबिक, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की कैबिनेट ने कर्नाटक ट्रांसपैरंसी इन पब्लिक प्रक्योरमेंट (केटीपीपी) ऐक्ट में बदलाव के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। खबर है कि इस ऐक्ट में बदलाव का यह बिल विधानसभा के इसी बजट सत्र में आएगा, जिसके पारित होने के बाद कर्नाटक के सरकारी टेंडर में मुस्लिमों सहित सभी अल्पसंख्यक वर्ग के सरकारी ठेकेदारों को 4 प्रतिशत आरक्षण का रास्ता साफ हो जाएगा। वहीं, डिप्टी सीएम ने कहा कि, टेंडर में कोटा सभी अल्पसंख्यकों और पिछड़े वर्ग के लिए तय किया गया है, जिसकी प्रतिशतता सम्बन्धी विस्तृत जानकारी उन्होंने नहीं दी है। वहीं, बीजेपी ने कर्नाटक सरकार के इस फैसले को असंवैधानिक बताया और कहा कि कांग्रेस मुस्लिम सहित अल्पसंख्यक तुष्टीकरण में नए पैमाने गढ़ रही है। यह देश के लिए खतरा है। बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि हमारी पार्टी इसके खिलाफ है और विरोध करती रहेगी। बाद में कर्नाटक के डिप्टी सीएम डी. के. शिवकुमार ने कहा कि 4 प्रतिशत कोटा सिर्फ मुस्लिमों के लिए नहीं, बल्कि सभी अल्पसंख्यकों और पिछड़ों के लिए है। वहीं, कर्नाटक में सरकारी ठेकों में मुस्लिम आरक्षण पर एक सेवानिवृत्त नौकरशाह ने कहा है कि राज्य सरकार को अख्तियार है कि वह रिजर्वेशन दे सकती है। इसी नजरिए से कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल आदि राज्यों में मुस्लिम आदि अल्पसंख्यकों को ओबीसी कैटिगरी में रखकर सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई और सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया गया है। जबकि यहां मसला सरकारी टेंडर प्रक्रिया में रिजर्वेशन का है। हालांकि, इस पर जिसे ऐतराज है, वह संवैधानिक अदालत में इसे चुनौती दे सकता है। क्योंकि यहां नया सिर्फ यह है कि टेंडर प्रक्रिया में रिजर्वेशन दिया गया है। कैबिनेट फैसला ले सकती है जिसमें कोई शक नहीं है। यह अलग बात है कि इस फैसले को संवैधानिक कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है।

होली (दोहा)

रंग अबीर गुलाल ले, मन मे भरे उमंग
आयी होली झूम के, मिल कर खेले संग।

होली के त्योहार मे, मनहर रंग गुलाल
हाथ मे ले पिचकारी, मिला रहे है ताल।

धरती अंबर पर छा रहे , रंग उड़ा कुछ खास
मैं मतवाली हो गई , जाग रहे अहसास।

रंगो के त्योहार में , फुलवा रहे पुकार
रंगो ने जादू डाला ,भौरा करे गुँजार।

बच्चे बूढों में भरा ,देखो जोश अपार
रंग खेलने में लगे ,इनको सब संसार।

डॉ पूर्णिमा पाण्डेय 'पूर्णा'
प्रयागराज

डांस की धुन पर बुनी पिता-पुत्री की इमोशनल कहानी है बी हैप्पी

फिल्मः बी हैप्पी

स्टारकास्टः अभिषेक बच्चन ,नोरा फतेही ,इनायत वर्मा ,हरलीन सेठी ,नासर

निर्देशकः रेमो डिसूजा

ओटीटी प्लेटफार्मः प्राइम वीडिया

रेटिंगः 3'

बी हैप्पीः डांस से रिलेटेड कई फिल्मों ने दर्शकों को छुआ है ऐसी ही एक फिल्म आई है। 'ठम भ्चचल' यह सिर्फ एक डांस फिल्म नहीं है, यह एक पिता और बेटी के रिश्ते की कोमल भावनाओं को दर्शाने वाली कहानी है। रेमो डिसूजा इस बार स्टेज पर थिरकते कदमों के साथ दिल को छू जाने वाले जज्बातों की कहानी लाए हैं। फिल्म सपनों, संघर्ष और रिश्तों की उस डोर को छूती है, जो हर दर्शक को जोड़ने की कोशिश करती है। आइए जानते हैं कैसी है फिल्म बी हैप्पी।

कहानी

कहानी है शिव रस्तोगी (अभिषेक बच्चन) और उसकी बेटी धारा (इनायत वर्मा) की। शिव एक बैंक कर्मचारी है और अकेले अपनी बेटी की परवरिश कर रहा है। धारा का सपना है देश के सबसे बड़े डांस रियलिटी शो में हिस्सा लेना। स्कूल में जीत के बाद उसकी डांस टीचर मैगी (नोरा फतेही) उसे मुंबई आने के लिए कहती हैं। शुरुआत में हिचकिचाहट के बाद शिव अपनी बेटी के सपने के लिए मुंबई ट्रांसफर ले लेता है। सब कुछ ठीक चलता है, लेकिन फिर धारा को बोन कैंसर होने का पता चलता है। अब सवाल उठता है कृ क्या धारा अपने सपने को पूरा कर पाएगी?

अभिनय

अभिषेक बच्चन ने पिता के किरदार में गहराई और संवेदना के साथ शानदार अभिनय किया है। इनायत वर्मा ने धारा की भूमिका में मासूमियत और एनर्जी भर दी है। नोरा फतेही अपने किरदार में ठीक रही हैं और डांस सीक्वेंस में प्रभावशाली दिखीं। नासर एक मजबूत सहायक भूमिका में नजर आते हैं। जॉनी लीवर का किरदार कमजोर लिखा गया, जिससे उनका टैलेंट पूरी तरह सामने नहीं आया।

निर्देशन

रेमो डिसूजा ने एक भावनात्मक विषय चुना है, लेकिन निर्देशन में वो धार नहीं दिखी जो दर्शकों को अंत तक बांध ो रखे। कहानी में नयापन नहीं है और इमोशनल हिस्से प्रेडिक्टेबल लगते हैं। डांस परफॉर्मेंस भी वैसा प्रभाव नहीं छोड़ पाते, जैसा रेमो की फिल्मों से अपेक्षा होती है।

संगीत

फिल्म का संगीत औसत है। कोई ऐसा गाना नहीं जो लंबे समय तक याद रह जाए। डांस ट्रैक्स में जोश की कमी नजर आती है।

मैं चाहता था, एक ऐसी फिल्म बनें जो रिश्तो को जोड़े व प्यार की बात करे : अविनाश दास

पारिवारिक फिल्में अब कम बन रही हैं, लेकिन 'इन गलियों में' एक ऐसी कहानी लेकर आ रही है जो मोहब्बत, भाईचारे और समाज की एकजुटता की मिसाल पेश करती है। यह फिल्म 14 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में जावेद जाफरी और विवान शाह मेन लीड में नजर आने वाले हैं। फिल्म को अविनाश दास द्वारा डायरेक्ट किया गया है। फिल्म के बारे में डायरेक्टर अविनाश दास, एक्टर्स जावेद जाफरी और विवान शाह ने खास बातचीत की। पेश हैं मुख्य अंशः

अविनाश दास (निर्देशक)

सवाल5 इस फिल्म की प्रेरणा कहां से मिली?

जवाबरू हमारी फिल्म की थीम बहुत साधारण लेकिन जरूरी है जिसमें लोगों को जोड़ने की बात है। ये आइडिया हमारे आसपास के समाज से ही निकला, जहां छोटी–छोटी बातों में भेदभाव बढ़ रहा है। फिर चाहे वो भाषा हो याद कोई और मुद्दा। यह हमारा कर्तव्य है कि आज के समय में हम ऐसी फिल्मों को बनाने के बारे में सोचे। मैं चाहता था कि एक ऐसी फिल्म बने जो रिश्तों को जोड़े, और प्यार की बात करे।

जावेद जाफरी

सवालः आपने हमेशा फैमिली एंटरटेनमेंट दिया है, इस फिल्म को कैसे देखते हैं आप?

जवाबरू ये फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। 40 साल के करियर में कुछ ही फिल्में ऐसी होती हैं जो इंसान को अंदर से छू जाती हैं ये उन्हीं में से एक है। इसमें जो भावनाएं हैं, जो मेल–जोल है, वो आज के समय में बहुत जरूरी है। जिस तरह का जमाना चल रहा है तो इस फिल्म के जरिए हम समाज में प्यार फैलाने और समाज को जोड़ने की बात कर रहे हैं।

व्हाइट टैंक टॉप और डेनिम शॉर्ट्स में दिशा पाटनी ने दिए हॉट पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी अपने फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उनका एक कैजुअल समर लुक सामने आया है, जो गर्मियों के लिए परफेक्ट है। दिशा ने व्हाइट और डेनिम के क्लासिक कॉम्बिनेशन को अपने खास अंदाज में कैरी किया, जिससे उनका स्टाइल और भी ग्लैमरस लग रहा था। दिशा ने एक फिटेड बॉडी–हगिंग व्हाइट टॉप पहना, जिसकी स्ट्रैपी डिजाइन ने उनके लुक में स्टाइलिश ट्विस्ट जोड़ा। इसे उन्होंने डिस्ट्रेस्ड डेनिम शॉर्ट्स के साथ पेयर किया, जिससे उनका लुक एकदम कूल और समर–फ्रेंडली लग रहा था। दिशा ने अपने लुक को ज्यादा एक्सेसरीज से ओवरलोड नहीं किया, बल्कि एक सिम्पल लेकिन खूबसूरत चेन नेकलेस के साथ इसे कंप्लीट किया। उनका यह मिनिमलिस्टिक स्टाइल ट्रेंडी और एलिगेंट दोनों लग रहा था। दिशा ने अपने मेकअप को नेचुरल रखा और स्किन पर ड्यूई फिनिश चुना। उनके सॉफ्ट पिंक ग्लॉसी लिप्स ने उनके लुक में चार चांद लगा दिए। हेयरस्टाइल की बात करें तो उन्होंने अपने बालों को सॉफ्ट वेव्स में खुला रखा, जो उनके कैजुअल लुक को परफेक्ट बैलेंस दे रहा था। अगर वर्कफ्रंट की बात करें, तो दिशा हाल ही में पंजाबी सिंगर करण औजला के गाने श्ज्मसस डमश में नजर आई थीं। इस म्यूजिक वीडियो में दिशा का ग्लैमरस अवतार फैंस को खूब पसंद आया था। दिशा का यह समर लुक यंग गर्ल्स के लिए एक परफेक्ट स्टाइल इंस्पिरेशन है। अगर आप भी गर्मियों में कंफर्ट और स्टाइल को बैलेंस करना चाहती हैं, तो इस लुक को ट्राई कर सकती हैं।

डायरेक्टर ने इस एक्ट्रेस से की ऐसी गंदी डिमांड, सुनकर हो गई थी शर्मसार

> प्रियंका ने फोर्ब्स वीमेन शिखर समिट के दौरान खुलासा किया कि १९ साल की उम्र में जब वह एक फिल्म की शूटिंग कर रही थीं, तो डायरेक्टर ने उनके स्टाइलिस्ट को खास आदेश दिया था। डायरेक्टर ने कहा था कि गाने के दौरान प्रियंका चोपड़ा का अंडरवियर साफ नजर आना चाहिए। यह सुनकर प्रियंका को गहरा झटका लगा। उन्होंने महसूस किया कि यह पूरी तरह अनुचित और अपमानजनक है।

बॉलीवुड में कई अभिनेत्रियों ने कास्टिंग काउच और फिल्म इंडस्ट्री में होने वाली अनुचित मांगों को लेकर खुलकर बात की है। कुछ एक्ट्रेसेस ने उन शर्मनाक अनुभवों का भी जिक्र किया है, जब उन्हें फिल्मों में काम करने के लिए अनुचित शर्तें मानने को कहा गया। ऐसा ही एक चौंकाने वाला अनुभव प्रियंका चोपड़ा ने भी साझा किया था, जब एक फिल्म डायरेक्टर ने उनसे ऐसी डिमांड रखी, जिसे सुनकर वह हैरान रह गईं। प्रियंका को इस घटना से इतना धक्का लगा कि उन्होंने उस डायरेक्टर के साथ कभी भी काम ना करने की कसम खा ली। बॉलीवुड से हॉलीवुड तक अपनी पहचान बना चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर खुद को साबित किया है। उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। लेकिन करियर के शुरुआती दौर में एक ऐसी घटना घटी, जिसने उन्हें झकझोर कर रख दिया। प्रियंका ने फोर्ब्स वीमेन शिखर समिट के दौरान खुलासा किया कि 19 साल की उम्र में जब वह एक फिल्म की शूटिंग कर रही थीं, तो डायरेक्टर ने उनके स्टाइलिस्ट को खास आदेश दिया था। डायरेक्टर ने कहा था कि गाने के दौरान प्रियंका चोपड़ा का अंडरवियर साफ नजर आना चाहिए। यह सुनकर प्रियंका को गहरा झटका लगा। उन्होंने महसूस किया कि यह पूरी तरह अनुचित और अपमानजनक है। उस समय वह काफी युवा और नई थीं, लेकिन उन्होंने इस स्थिति का सामना बहादुरी से किया।प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि वह फिल्म में एक एस्कॉर्ट का किरदार निभा रही थीं। वह इस किरदार को निभाने को लेकर बहुत उत्साहित थीं, क्योंकि यह उनके करियर की शुरुआती फिल्मों में से एक थी। उन्होंने कहा, श्मुझे खुशी थी कि मैं इस किरदार को निभा रही थी, क्योंकि मैं इसकी इंसानी भावनाओं और पहलुओं को दर्शाना चाहती थी। फिल्म में एक गाना था, जिसमें मुझे एक लड़के को आकर्षित करना था। लेकिन जब डायरेक्टर से इस गाने के बारे में बात की, तो उनकी शर्मनाक डिमांड सामने आई। प्रियंका ने बताया कि जब उन्होंने डायरेक्टर से स्टाइलिंग को लेकर चर्चा करने को कहा, तो उन्होंने स्टाइलिस्ट को फोन करके यह समझाया की, उसकी पैंटी दिखनी चाहिए. ..। प्रियंका ने बताया कि मैं डायरेक्टर के पीछे खड़ी थी, जब उन्होंने अपनी कुर्सी पर बैठते हुए फोन उठाया और स्टाइलिस्ट से कहा दृ 'सुनो, जब वो अपनी पैंटी दिखाती है तो लोग उसे देखने के लिए सिनेमा में आते हैं। इसलिए इसे बहुत छोटा होना चाहिए, ताकि मैं उसकी पैंटी देख सकूं। जो लोग आगे बैठे हैं, उन्हें भी ये दिखनी चाहिए। उन्होंने यह बात चार बार दोहराई। प्रियंका ने बताया कि यह सुनकर वह बहुत असहज हो गईं और उन्हें समझ आ गया कि यह फिल्म उनके लिए नहीं है। प्रियंका ने फिल्म छोड़ने का लिया फैसला प्रियंका ने इस घटना के बाद दोबारा उस डायरेक्टर के साथ कभी काम न करने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया, मैंने उस फिल्म के लिए दो दिन शूट किया था, लेकिन जब यह सब हुआ तो मैंने फिल्म छोड़ दी। इतना ही नहीं, मैंने प्रोडक्शन कंपनी को हुए खर्च की भरपाई भी खुद की। प्रियंका चोपड़ा ने इसके बाद खुद के लिए सही अवसर तलाशे और अपनी मेहनत और काबिलियत के दम पर बॉलीवुड से हॉलीवुड तक अपना नाम रौशन किया। उनका यह कड़ा फैसला उनकी मजबूत इच्छाशक्ति और आत्म–सम्मान को दर्शाता है। प्रियंका ने यह भी साबित कर दिया कि टैलेंट और मेहनत के दम पर हर ऊंचाई हासिल की जा सकती है, बिना किसी गलत शर्त को स्वीकार किए।

आमिर अली ने होली पर लड़की के साथ कर दी ऐसी गंदी हरकत! भड़के यूजर्स ने लगा दी क्लास

देशभर में 14 मार्च को होली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। आम जनता से लेकर बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री के सितारे भी इस रंगों के त्योहार में सराबोर नजर आए। इसी बीच मशहूर एक्टर आमिर अली का होली सेलिब्रेशन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वे एक्ट्रेस अंकिता कुकरेती के साथ मस्ती करते नजर आ रहे हैं। हालांकि, इस वीडियो के चलते आमिर को जमकर ट्रोल भी किया जा रहा है। वायरल वीडियो में आमिर अली को अंकिता कुकरेती के गालों पर गुलाल लगाते हुए देखा जा सकता है। ग्रे टी–शर्ट और जींस पहने आमिर, अंकिता को रंग लगाते–लगाते उनकी गर्दन और छाती पर भी रंग मलते दिखाई देते हैं। आमिर और अंकिता के इस होली सेलिब्रेशन को देखकर फैंस के अलग–अलग रिएक्शन सामने आ रहे हैं। कई लोगों को आमिर का यह अंदाज पसंद नहीं आया और उन्होंने इस पर नाराजगी जाहिर की। आमिर अली के इस वीडियो पर सोशल मीडिया पर जमकर प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कुछ यूजर्स ने उनकी हरकत को अनुचित बताया, तो कुछ ने उन्हें बुरी तरह ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, अब समझ आया कि उनकी एक्स–वाइफ संजीदा शेख ने उन्हें क्यों छोड़ा। वहीं, दूसरे यूजर ने कहा, पब्लिक में इस तरह की हरकत करना शर्मनाक है। एक और यूजर ने लिखा, मुझे यह पसंद नहीं आया कि जिस तरह से वह अंकिता को छू रहे हैं, यह असहज कर देने वाला लग रहा है। कुछ लोगों ने इस वीडियो की तुलना रणवीर सिंह के हाल ही के विवाद से करते हुए लिखा, रणवीर को गिरफ्तार कर लिया गया, अब इसे भी किया जाना चाहिए। कुछ समय पहले ही आमिर अली ने एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया था कि वे किसी को डेट कर रहे हैं। अब इस वीडियो के वायरल होने के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि वह लड़की कोई और नहीं बल्कि अंकिता कुकरेती ही हैं। हालांकि, दोनों ने अभी तक अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। आमिर अली का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और इस पर लगातार लोग अपनी राय दे रहे हैं।

केले और गेहूं के आटे से बना पैनकेक है बेहद स्वादिष्ट और हेल्दी नाश्ता, ऐसे घर पर बनाएं

खाने–पीने के शौकीन लोगों के लिए पैनकेक बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। चाहे बच्चे हों या बड़े मीठे में पैनकेक खाना सभी को पसंद होता है। वहीं कई लोग अपने पार्टनर के लिए भी कुछ खास डिश बनाना चाहते हैं तो इसे आप बना सकते हैं। वहीं कुछ लोग बिना अंडे का पैनकेक बनाना और खाना पसंद करते हैं। इसलिए आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए केले और गेंहू के आटे का पैनकेक बनाने का आसान तरीका बताने जा रहे हैं। इस तरीके से आप घर पर टेस्टी पैनकेक बना सकते हैं।

केले और गेहूं के आटे का पैनकेक

केला– 1

मैदा –3/4 कप

गेहूं का आटा– 1/3 कप

इलायची– 4 (दरदरी कुटी)

बेकिंग पाउडर– 1.5 छोटी चम्मच

चीनी पाउडर– 2 छोटे चम्मच

नमक– (छोटी चम्मच से आधा

घी– 4–5 टेबल स्पून

दूध– 1 कप

बनाने का तरीका

पैनकेक बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े बर्तन में मैदा निकाल लीजिए।

फिर इसमें गेहूं का आटा, चीनी, नमक, इलायची पाउडर और बेकिंग पाउडर डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

इसके बाद केला को इसमें मैश कर इसमें दूध डाल दीजिए।

अब इस मिक्सचर में मैदा और आटे को अच्छे से मिला लें। जब तक इसकी गुठलियां खत्म ना हो तब तक इसको घोलते रहें।

फिर इस बैटर में 2 छोटे चम्मच घी डालकर इसको अच्छे से मिला लें। बैटर तैयार होने के बाद इसे 20 मिनट तक के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

इसके बाद गैस पर नॉनस्टिक तवा चढ़ाएं, जब तवा गर्म हो जाए तो इसपर थोड़ा सा घी को पूरे तवे पर फैलाएं।

फिर बैटर का मोटा घोल डालते हुए उसे फैलाएं और पैनकेक के चारों ओर हल्का–हल्का घी लगाएं।

मीडियम आंच पर गोल्डेन ब्राउन होने तक पैनकेक को सेंके, फिर दूसरी तरफ से भी इसे ऐसे ही सेंकें।

बाकी बचे केक को भी ऐसे ही सेंकें।

अब आपका पैनकेक बनकर तैयार हो गया है। इसमें हनी बटर, जैम या फिर अपने फेवरेट फ्रूट्स डालकर इसको गार्निश करके खाएं।

सहरी में काम हो जाएगा और भी आसान अगर अपना लिए ये कुकिंग हैक्स

रमजान का महीना चल रहा है, मुस्लिम समुदाय के लोग इसका बहुत ही बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस बात को कहना गलत नहीं होगा कि इस्लाम धर्म में इस महीने को बहुत ही खास और महत्वपूर्ण माना जाता है। इस पूरे महीने में हर मुस्लिम व्यक्ति रोजे रखकर अल्लाह की इबादत करता है। रोजा रखने के लिए सहरी में उठकर पेट भर खाना खाया जाता है। सेहरी के दौरान घरों में बहुत ही रौनत होती है और कई तरह के स्वादिष्ट पकवान तैयार किए जाते हैं। परंतु थकान और नींद के कारण महिलाएं किचन का काम आसानी से नहीं कर पाती हैं। ऐसे में आप कुछ किचन टिप्स के साथ अपना आधा काम आसान कर सकती हैं। तो आइए जानते हैं इसके बारे में...

क्या बनाना है क्या नहीं पहले ही कर लें डिसाइड

सहरी में आप क्या–क्या बनाने वाली हैं इन सबकी पहले ही योजना बना लें। यदि काम ज्यादा है तो जल्दी उठकर उसे पूरा कर लें। परंतु कई बार महिलाएं इस बात को डिसाइड नहीं कर पाती कि क्या बनाया जाए और इसी में सारा समय बर्बाद हो जाता है। इसलिए काम आसान करने के लिए मसाले पहले ही तैयार करके रख लें।

सब्जियां काटकर रख लें

कई बार सब्जी काटने में बहुत ही समय लगता है ऐसे में दूसरा काम करने में भी देरी हो जाती है। इसके लिए पहले ही पूरे हफ्ते की सब्जी काटकर फ्रिज में रख दें। इससे आपका टाइम भी बचेगा और काम भी आसान हो जाएगा। ऐसे में यदि आपको जल्दी है तो आप फटाफट काटी हुई सब्जियों से खाना तैयार कर सकती हैं। आटा गूंथकर रख लें

सहरी में कई बार थकान के कारण आंख देरी से खुल सकती है। ऐसे में रोटियां बनाना महिलाओं के लिए सबसे बड़ा काम होता है। इसलिए काम को आसान बनाने के लिए रात में ही आटा गूंथकर फ्रिज में रख लें। जब रोटियां बनानी हो तो 10 मिनट पहले आटा बाहर निकालकर रखें। इससे टाइम भी बचेगा और काम भी आसान होगा।

पहले छील लें लहसुन

लहसुन छीलने में भी काफी समय बर्बाद होता है। ऐसे में इसे पहले छीलकर रखने के लिए लहसुन की कलियों को थोड़ी देर गर्म पानी में डालें। इसके बाद जैसे आप लहसुन छीलेंगे यह आसानी से छिल जाएगा।

इन 6 तरह के लोग आंवला से करें परहेज, फायदे से ज्यादा होगा नुकसान

आंवला खाने में बहुत फायदेमंद है। विटामिन सी से भरपूर होने के साथ–साथ इसमें कई शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं। आंवला को आयुर्वेद का वरदान माना जाता है , इसके पोषक तत्व इम्यूनिटी बढ़ाने का काम करते है। लेकिन हर चीज के कुछ फायदों के साथ नुकसान भी होते हैं। कुछ ऐसी हेल्थ कंडीशन भी होती है, जिसमें डॉक्टर भी आंवला नहीं खाने की सलाह देते हैं। आईए जानते है ऐसे कुछ हेल्थ कंडीशन के बारे में जिसमें आंवला नहीं खाना चाहिए।

लिवर के मरीजों को आंवला का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए। आंवला और अदरक का तो साथ में खाना तो बिल्कुल अवॉयड करना चाहिए। इससे लिवर एंजाइम्स का स्तार बढ़ सकता है जो लिवर के मरीजों के लिए बहुत हानिकारक है।

ब्लड डिसऑर्डर के मरीज

आंवला एंटीफ्लेटलेट के गुणों से भरपुर है जो खुन के थक्कों को बनाने से रोकता है, इससे हार्ट अटैक का खतरा कम होता है, लेकिन जो लोग पहले से ही ब्लड डिसऑर्डर के रोग से जूझ रहे हैं, उन्हें आंवला का सेवम नहीं करना चाहिए।

सर्जरी करवाने वाले

जो लोग जल्द ही सर्जरी करवाने वाले हैं, आंवला खाने से बचना चाहिए। इस फल का अधिक मात्रा में सेवन करने से ब्लीडिंग का खतरा बढ़ जाता है। लंबे समय तक ब्लीडिंग होने से हाइपोक्सिमिया, गंभीर एसिडोस, या मल्टीऑर्गन डिसफंक्शन हो सकता है। इसलिए एक्सपर्ट्स सलाह देते है कि सर्जरी से कम से कम 2 सप्ताह पहले आंवला खाना बंद कर देना चाहिए।

किडनी के मरीज

जिन लोगों को किडनी से जुड़ी कोई समस्या है, वे लोग इसका सेवन विशेषज्ञ की सलाह के बाद ही करें। आंवले का अधिक सेवन शरीर में सोडियम के स्तर को बढ़ा देता है, साथ ही किडनी की कार्यप्रणाली पर असर डालता है।

प्रेंगनट महिलाएं

आंवला में ऐसे कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर के लिए फायदेमंद हैं लेकिन ज्यादा मात्रा में इसे खाने पर पेट खराब हो सकता है। इससे डायरिया और डिहाइड्रेशन जैसी समस्या भी हो सकती है। प्रेग्नेंट या ब्रेस्ट फीड कराने वाली महिलाओं में ये लक्षण और गंभीर हो सकते हैं। इन महिलाओं को डॉक्टर से संपर्क करने के बाद ही आंवला खाना चाहिए।

लो ब्लड शुगर लेवल वाले

यदि आपका ब्लड शुगर लेवल अक्सर कम रहता है या एंटी–डायबिटिक दवा ले रहे हैं तो आंबला से परहेज करें।

गर्मियों में झाइयों और कील मुहांसों से बचना है तो अभी से अपना लें शाहनाज हुसैन के ये घरेलू नुस्खे

कील–मुहांसे ,फुंसिया , झाइयां , टैनिंग और बेजान त्वचा से गर्मियों में आमतौर पर सभी महिलाएं परेशान रहती हैं। इसका मुख्य कारण तेज धूप, गर्म हवाएं और प्रदूषण माना जाता है। चेहरे पर झाइयों का हो जाना एक सामान्य समस्या है। झाइयों के होने के कई कारण हो सकते हैं। गर्मियों में सूर्य की तेज किरणों, प्रदूषण , संक्रमण चेहरे का असली निखार छीन लेते हैं। त्वचा संबंधी कई सारी परेशानियां अक्सर हमारी खूबसूरती को कम देती हैं। कील–मुहांसों से लेकर दाग–धब्बे और झाइयां तक सभी हमारे चेहरे का निखार छीन लेते हैं। ऐसे में लोग इन समस्याओं से निजात पाने और अपनी खूबसूरती बनाएं रखने के लिए कई सारे ब्यूटी ट्रीटमेंट्स और प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन रासायनिक तत्वों वाले इन उत्पादों और ट्रीटमेंट्स से कई बार साइड इफेक्ट का खतरा बना रहता है। इतना ही नहीं इन प्रोडक्ट्स और ट्रीटमेंट का असर कुछ समय बाद खत्म होने लगता है जिसकी वजह से फिर वही समस्याएं होने लगती हैं। अगर आप भी चेहरे की झाइयां और दाग–धब्बों से परेशान हैं तो इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

क्यों होते हैं चेहरे पर दाग–धब्बे?

सनबर्न, पोषण की कमी, तनाव और कुछ दवाओं का प्रयोग चेहरे पर झाइयों का कारण बन सकता है। इससे सही पोषण, पर्याप्त नींद और सही स्किन केयर आजमा कर निपटा जा सकता है। त्वचा की क्लींजिंग के लिए स्क्रब के इस्तेमाल से डेड स्किन सेल्स अपने आप निकल जाते हैं। मास्क और स्क्रब पिगमेंटेशन कम कर सकते हैं। धीरे–धीरे गहरे दाग हल्के होते चले जाते हैं। लेकिन दाग–धब्बे,खत्म होने के बाद भी सनस्क्रीन को लगाते रहना चाहिए। हार्मोनल असंतुलन की वजह से अधिकतर महिलाओं को प्रेगनेंसी के बाद पिगमेंटेशन से होकर गुजरना पड़ता है। वहीं घर से बाहर निकलते ही सूर्य की किरणों के सम्पर्क में ज्यादा देर तक रहने से झाइंया, दाग–धब्बे और गहरे होते जाते हैं। सूर्य की तेज किरणें चेहरे की कोशिकाओं को नुकसान करने का काम करती है। शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण ये दाग उभरने लगते हैं। चेहरे पर केमिकल युक्त सौन्दर्य प्रसाधनों का अधिक मात्रा में इस्तेमाल करना भी हानिकारक साबित हो सकता है। ज्यादा तनाव और सोचने के कारण दाग उभरने लगते हैं।

विटामिन–सी सीरम करें अप्लाई

एंटी ऑक्सीडेंटस से भरपूर विटामिन सी सीरम की बूंदों को चेहरे पर नियमित तौर पर लगाएं। ये त्वचा पर सुरक्षा कवच का काम करता है। इससे न केवल झाइयां गहरी होने से बचती हैं बल्कि त्वचा को मुलायम और आकर्षक भी बनाती हैं। विटामिन सी त्वचा में कोलेजन बनाता है।

दरअसल इस सीरम की मदद से टायरोसिनेस नाम के एंजाइम के उत्पादन को रोका जा सकता है, जो मेलेनिन को बढ़ाकर हाइपरपिग्मेंटेशन का कारण साबित होता है। इसे अप्लाई करने से चेहरे की रंगत में भी बदलाव नजर आने लगता है।

सनस्क्रीन का इस्तेमाल न भूलें

सनस्क्रीन हमें अल्ट्रा वायलेट किरणों से बचाने का काम करती है। इससे मेलानिन का उत्पादन अपने आप कम या धीमा हो जाता है। ब्रॉड स्पेक्ट्रम, एसपीएफ 30 या उससे ज्यादा सनस्क्रीन का प्रयोग करें। इसके अलावा कड़कती धूप में बाहर निकलने से बचें। सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक बाहर निकलने से बचें। बाहर जाने से पहले गॉगल्स ,स्कार्फ या हैट–टोपी पहनकर बाहर जाएं।

क्लींजर करें प्रयोग

ठंडे दूध में 1 चमच्च ऑलिव ऑयल मिलाएं। उसके बाद इसमें सूरजमुखी तेल की कुछ बूंदे डालें। अब इस मिश्रण को कॉटन की मदद से इसे त्वचा पर अप्लाई करें।

संक्षिप्त

उद्योगपति गौतम अदाणी और राजेश अदाणी कथित बाजार विनियमन उल्लंघन मामले में बरी, ये है मामला

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट से सोमवार को अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी और प्रबंध निदेशक राजेश अदाणी को बड़ी राहत मिली। दोनों को करीब 388 करोड़ रुपये के बाजार नियमन के कथित उल्लंघन के मामले से बरी कर दिया गया। गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) ने 2012 में अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) और इसके प्रमोटर्स गौतम अदाणी और राजेश अदाणी के खिलाफ मामला शुरू किया गया था। इस दौरान एक आरोप पत्र दायर कर उन पर आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। 2019 में, दोनों उद्योगपतियों ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की, जिसमें उसी वर्ष के सत्र अदालत के आदेश को रद्द करने की मांग की गई, जिसमें उन्हें मामले से मुक्त करने से इनकार कर दिया गया था। सोमवार को हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आरएन लड्ढा की एकल पीठ ने सत्र अदालत के आदेश को रद्द कर दिया और दोनों को मामले से बरी कर दिया। विस्तृत आदेश की प्रति बाद में उपलब्ध होगी। दिसंबर 2019 में उच्च न्यायालय ने सत्र अदालत के आदेश पर रोक लगा दी और इसे समय–समय पर बढ़ाया गया। 2012 में, एसएफआईओ ने अदाणी सहित 12 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया, जिसमें उन पर आपराधिक षड्यंत्र और धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया। लेकिन मई 2014 में मुंबई की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने उन्हें मामले से बरी कर दिया। एसएफआईओ ने बरी करने के आदेश को चुनौती दी। नवंबर 2019 में एक सत्र अदालत ने मजिस्ट्रेट के आदेश को खारिज कर दिया और कहा कि एसएफआईओ ने अदाणी समूह की ओर से गैरकानूनी लाभ का मामला बनाया था। उद्योगपतियों ने उच्च न्यायालय में दायर अपनी याचिका में सत्र न्यायालय के आदेश को ष्मनमाना और अवैधष् बताया। इस मामले में लगभग 388 करोड़ रुपये के बाजार विनियमन उल्लंघन का आरोप शामिल था। यह मामला एसएफआईओ की ओर से गई जांच के दौरान विनियामक अनुपालन और वित्तीय लेनदेन से जुड़ी चिंताओं के बाद सामने आई थी।

न्यूयॉर्क में भारतीय मूल की चार महिलाओं का सम्मान, महिला दिवस पर हुई सम्मानित

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में महिला दिवस पर भारतीय मूल की चार प्रतिष्ठित महिलाओं को सम्मानित किया गया। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास और 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन' (एफआईए) ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारतीय मूल की चार प्रतिष्ठित महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। सम्मानित की गई महिलाओं में 'जे.पी. मॉर्गन' में सलाहकार और विलय एवं अधिग्रहण की वैश्विक प्रमुख अनु अयंगर, 'ए–सीरीज मैनेजमेंट एंड इन्वेस्टमेंट्स' की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं संस्थापक अंजुला अचारिया, 'एलडीपी वेंचर्स' की सीईओ एवं संस्थापक तथा 'विमेंस एंटरप्रेन्योरशिप डे ऑर्गेनाइजेशन' की संस्थापक वेंडी डायमंड और सीएनबीसी की पत्रकार एवं प्रस्तोता सीमा मोदी शामिल हैं। न्यूयॉर्क में पिछले सप्ताह सातवें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह में भारतीय महावाणिज्य दूतावास की ओर से इन्हें सम्मान दिया गया। एफएआई की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं और इस कार्यक्रम में अलग–अलग क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए इन महिलाओं को सम्मानित किया गया।

महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया

अन्नपूर्णा देवी ने अपने भाषण में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, श्दोनों देशों की महिलाएं और प्रवासी अमेरिका तथा भारत के बीच संबंधों को विकसित करने और उन्हें मजबूत करने में लगातार अग्रणी रहे हैं।

वाशिंगटन डीसी में शुरू की गई एक पहल पर भी बात की

उन्होंने पिछले सप्ताह वाशिंगटन डीसी में शुरू की गई एक पहल पर भी प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य सामाजिक–आर्थिक, वित्तीय और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में दोनों देशों में महिलाओं के विकास को बढ़ावा देना है।

होली की छुट्टियों के बाद हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, इंडसइंड बैंक के शेयर बनें रॉकेट

सप्ताह का पहला कारोबारी दिन यानी सोमवार 17 मार्च को कारोबार शुरू हो चुका है। इस दिन शेयर बाजार के शुरुआती सत्र की शुरुआत हरे निशान के साथ हुई है। हरे निशान के साथ खुले इस शेयर बाजार में एफएमसीजी, वित्तीय सेवाएं, धातु और मीडिया शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। सुबह 9. 15 बजे बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 235.54 अंक या 0.32 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74,064.45 पर पहुंच गया। व्यापक एनएसई निफ्टी 62.30 अंक या 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,459. 50 पर खुला।

कौन से शेयर सबसे ज़्यादा चढ़े?

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से इंडसइंड बैंक सबसे ज़्यादा 4. 87 प्रतिशत की बढ़त के साथ 704.80 पर कारोबार कर रहा था। इसके बाद बजाज फिनसर्व का स्थान रहा, जो 1.73 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,838.20 पर कारोबार कर रहा था, और टाटा मोटर्स का स्थान रहा, जो 1.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 665.50 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स के 17 शेयर हरे निशान पर थे।

अलग–अलग सेक्टरों का प्रदर्शन कैसा रहा?

निफ्टी के क्षेत्रीय सूचकांकों में, निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स सबसे ज़्यादा 0.50 प्रतिशत बढ़कर 52,140.15 पर पहुंच गया। इसके बाद निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज एक्स–बैंक का स्थान रहा, जो 0.47 प्रतिशत बढ़कर 24,381.15 पर पहुंच गया, और निफ्टी मेटल और निफ्टी मीडिया, दोनों ही 0.43 प्रतिशत बढ़कर क्रमशः 8,815.25 और 1,444.05 पर पहुंच गए। निफ्टी आईटी इंडेक्स लाल निशान पर एकमात्र इंडेक्स रहा, जो 0. 45ः की गिरावट के साथ 35,961.00 पर पहुंच गया।

100वां टेस्ट खेलने के बाद ही संन्यास लेना चाहते थे रविचंद्रन अश्विन, धोनी को कर दिया था आमंत्रित

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने खुलासा करते हुए बताया है कि वह अपने 100वें टेस्ट के बाद ही संन्यास लेना चाहते थे और उन्होंने इसके लिए महेंद्र सिंह धोनी को आमंत्रित भी कर दिया था। अश्विन का 100वां टेस्ट 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ धर्मशाला में खेला गया पांचवां टेस्ट था। उन्होंने उस मैच में नौ विकेट लिए और भारत को पारी और 64 रनों से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अचानक लिया था संन्यास

अश्विन ने अब खुलासा किया कि वह 100वें टेस्ट से ही विदाई ले चाहते हैं और उनका मन था कि धोनी उस पल का हिस्सा बनें। हालांकि, ऐसा हो नहीं सका। अश्विन ने पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में गाबा टेस्ट के बाद अचानक ही संन्यास लेने का फैसला कर दिया था। मैच के बाद जैसे ही कप्तान रोहित शर्मा प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए उनके साथ अश्विन भी मौजूद रहे और संन्यास लेने की घोषणा की थी। अश्विन के यूं अचानक संन्यास के फैसले ने सभी को चौंका दिया था।

सीएसके में वापसी पर खुशी जताई

अश्विन ने कहा, मैं धोनी को अपने 100वें टेस्ट के लिए बुलाया जिससे वह मुझे मेमेंटो दे सकें। मैं चाहता था कि वो मेरा आखिरी टेस्ट हो, लेकिन ऐसा हो नहीं सका। हालांकि, मैंने नहीं सोचा था कि वह मुझे चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में वापस लाने का उपहार देंगे। यह उससे कहीं ज्यादा अच्छा है, इसलिए मैं ऐसा करने के लिए धोनी को धन्यवाद देता हूं। मुझे खुशी है कि मैं यहां हूं।

अश्विन बोले– हमेशा धोनी का आभारी रहूंगा

अश्विन ने साथ ही आईपीएल में सीएसके के साथ अपने पहले सत्र को याद किया और कहा कि वह मौके देने के लिए हमेशा धोनी के आभारी रहेंगे। अश्विन ने कहा, 2008 में मैं सीएसके के ड्रेसिंग रूम में मैथ्यू हेडन और धोनी सहित सभी दिग्गज खिलाड़ियों से मिला। उस समय मैं पूरे सत्र बैठा रहा। उस दौरान मैं कुछ भी नहीं था, मैं उस टीम में कहां खेलता जिसमें मुथैया मुरलीधरन थे? धोनी ने मुझे जो दिया उसके लिए मैं पूरे जीवन उनका आभारी रहूंगा। उन्होंने मुझे मौका दिया कि मैं नई गेंद से क्रिस गेल के खिलाफ गेंदबाजी करूं। आठ सीजन के बाद अश्विन की सीएसके फ्रेंचाइजी में वापसी हुई है। वह इस टीम के लिए आखिरी बार 2015 में खेले थे। पांच बार की चौंपियन टीम ने अश्विन को 9. 75 करोड़ रुपये में खरीदा था। अश्विन सीएसके में रवींद्र जडेजा के साथ नजर आएंगे। इन दोनों की जोड़ी भारतीय टेस्ट टीम में काफी हिट थी। अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले सातवें गेंदबाज के रूप में समाप्त किया था। अब वह 22 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल 2025 में जलवा बिखेरते नजर आएंगे।

फाइनल मैच के दौरान टीनो बेस्ट से भिड़े युवराज सिंह, लारा ने बचाव कर शांत कराया मामला

रायपुर। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20 (आईएमएलटी20) के खिताबी मुकाबले के दौरान वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज टीनो बेस्ट से भिड़ गए। रविवार को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में इंडिया मास्टर्स और वेस्टइंडीज मास्टर्स के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया जिसमें इंडिया मास्टर्स की टीम जीत दर्ज करने में सफल रही। इंडिया मास्टर्स की पारी के दौरान युवराज और बेस्ट के बीच कहासुनी हुई। बेस्ट अपना ओवर पूरा करने के बाद मैदान से बाहर जाना चाहता थे। हालांकि, युवराज ने इस बारे में अंपायर को जानकारी दी और बेस्ट को वापस मैदान पर आना पड़ा जो उन्हें अच्छा नहीं लगा। यह घटना 13 ओवर के बाद की है। मैदान पर वापस आते ही बेस्ट युवराज की ओर बढ़े और उनके साथ बहस करने लगे। इस दौरान दोनों खिलाड़ी एक दूसरे को अंगुली दिखा रहे थे। मामला बढ़ता देखकर अंपायर और वेस्टइंडीज मास्टर्स के कप्तान ब्रायन लारा ने बीच बचाव किया और मामले को शांत कराया। रायुडू के दम पर इंडिया मास्टर्स बना विजेता

अंबाती रायुडू की अर्धशतकीय पारी के दम पर भारत मास्टर्स ने वेस्टइंडीज मास्टर्स को छह विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। रायपुर में खेले गए फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ब्रायन लारा की टीम ने 20 ओवर में सात विकेट खोकर 148 रन बनाए। जवाब में भारत ने 17.1 ओवर में चार विकेट खोकर 149 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस तरह सचिन तेंदुलकर की अगुआई वाली टीम अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग टी20 के पहले संस्करण की विजेता टीम बन गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए युवराज ने 11 गेंदों पर नाबाद 13 रन बनाए। रायुडू और सचिन तेंदुलकर ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 47 गेंदों पर 67 रनों की साझेदारी हुई। सचिन ने 18 गेंदों पर 25 रन बनाए और कुछ अच्छे शॉट्स लगाकर पुराने दिनों की याद दिलाई। रायुडू ने दूसरे छोर से मोर्चा संभाले रखा और 50 गेंदों पर 74 रन की पारी खेली। भारत के लिए गेंदबाजी में विनय कुमार ने शानदार प्रदर्शन किया और 26 रन देकर तीन विकेट लिए। रायुडू को उनकी मैच विजयी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

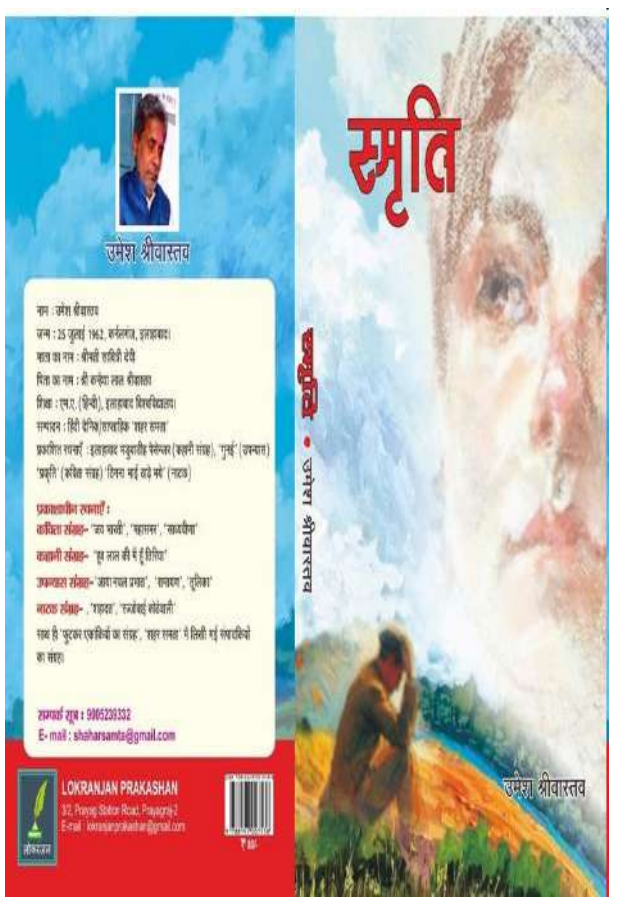

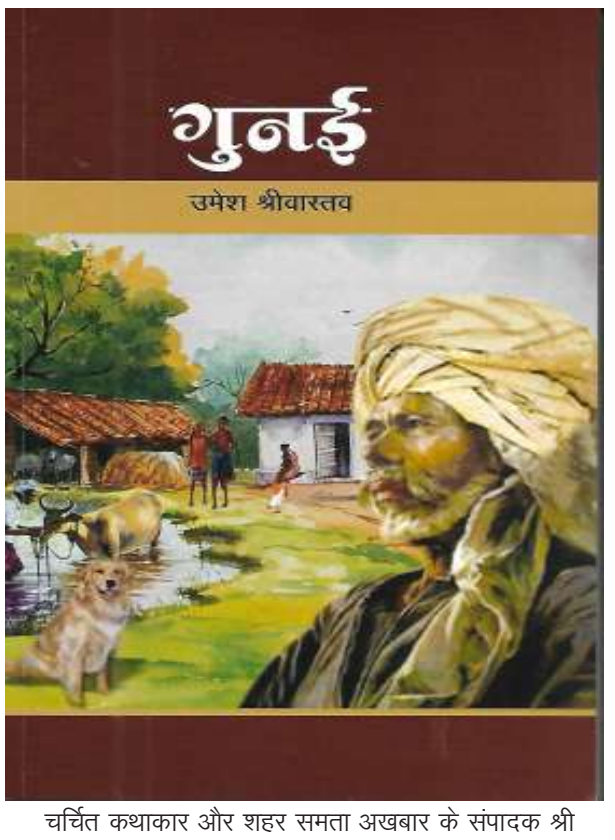

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

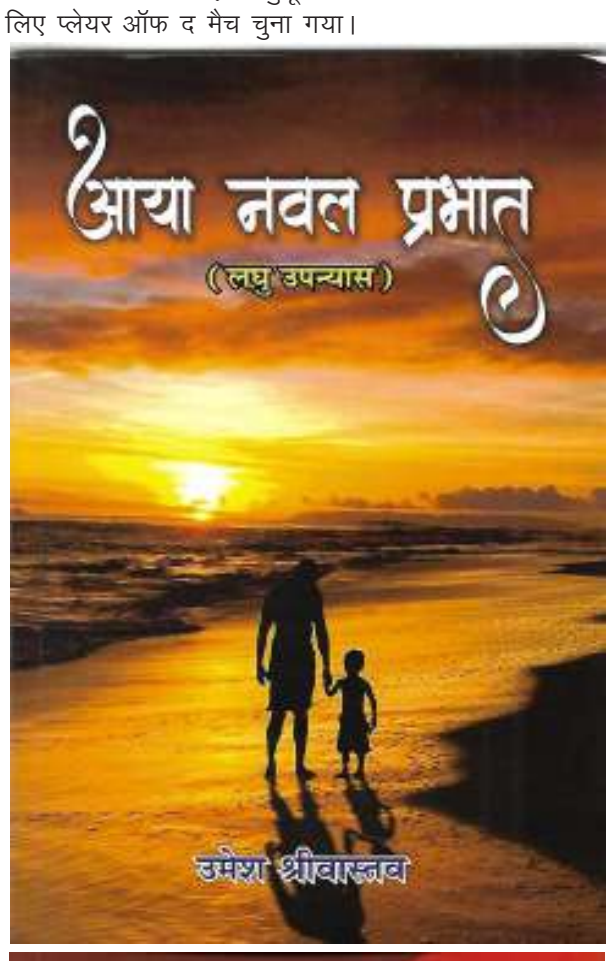

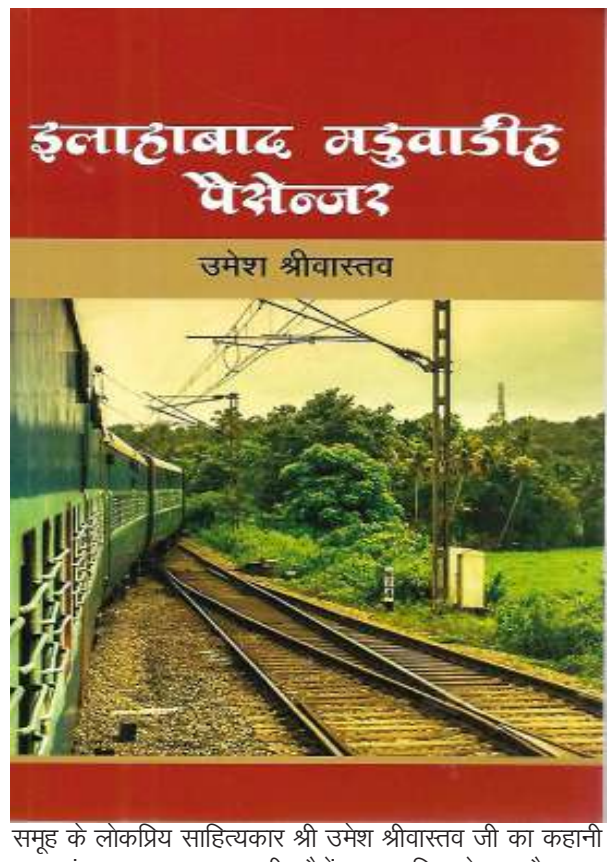

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

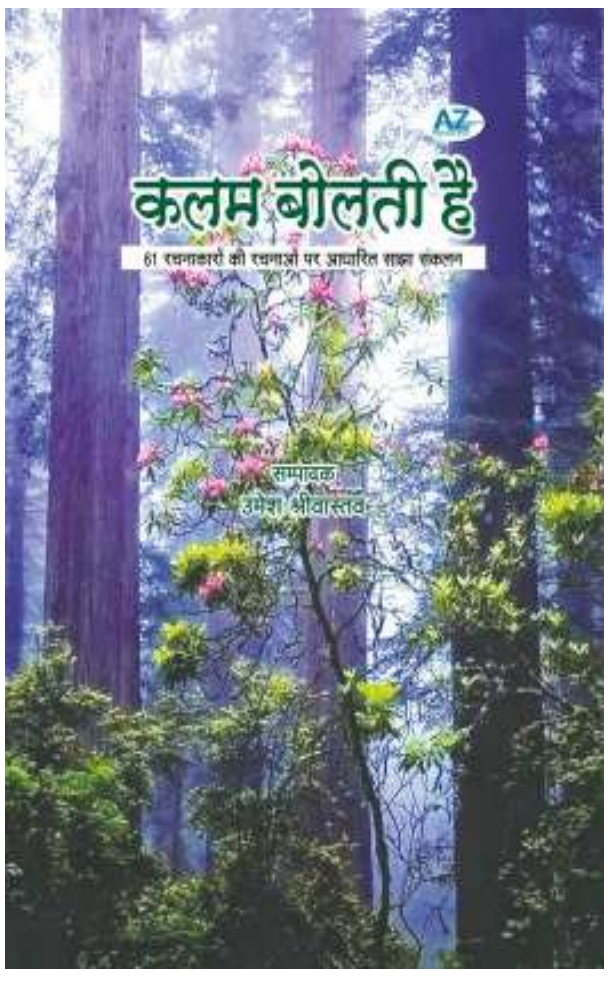

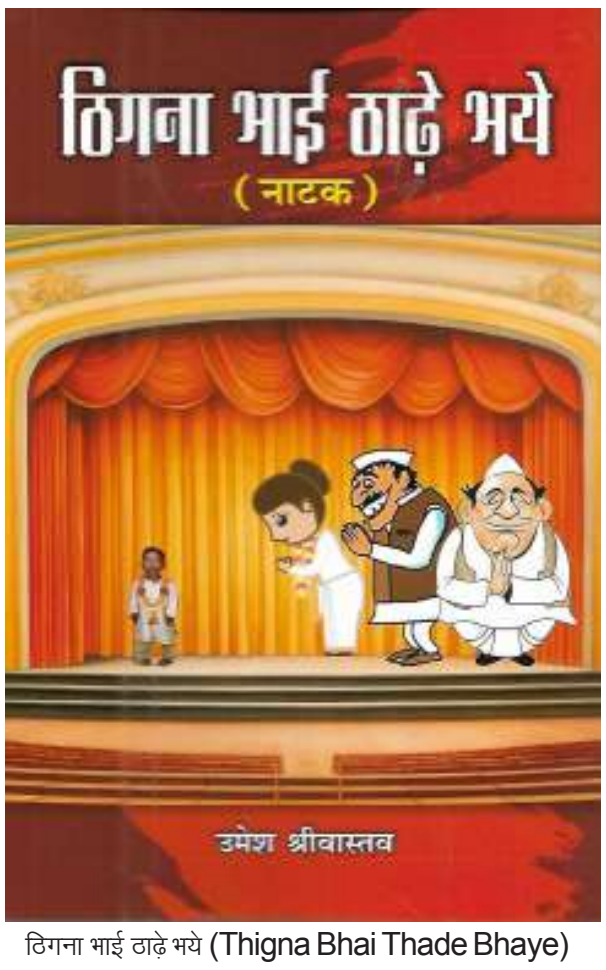

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

प्रशासन ने कोर्ट की रोक बावजूद लोगों को किया निर्वासित, अफसर बोले- जब फैसला आया उड़ानें हवा में थीं

वाशिंगटन। ट्रम्प प्रशासन ने अदालत की ओर से रोक लगाने के बावजूद सैकड़ों अप्रवासियों को अल साल्वाडोर भेज दिया। दूसरी ओर, एक संघीय न्यायाधीश ने वेनेजुएला के गिरोह के सदस्यों को लक्षित करने वाले 18वीं सदी के युद्धकालीन घोषणापत्र के तहत निर्वासन पर अस्थायी रूप से रोक लगाने का आदेश जारी किया है। अधिकारियों ने रविवार बताया कि जिस वक्त फैसला आया उड़ानें हवा में थीं। अमेरिकी जिला न्यायाधीश जेम्स ई. बोसबर्ग ने शनिवार को एक आदेश जारी कर निर्वासन को अस्थायी रूप से रोक दिया, लेकिन वकीलों ने उन्हें बताया कि पहले से ही दो विमान अप्रवासियों को लेकर हवा में हैं – एक अल साल्वाडोर जा रहा है, दूसरा होंडुरास जा रहा है। बोसबर्ग ने मौखिक रूप से विमानों को वापस लौटने का आदेश दिया, लेकिन जाहिर तौर पर ऐसा नहीं किया गया और उन्होंने अपने लिखित आदेश में निर्देश शामिल नहीं किया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने रविवार को एक बयान में इस बारे में अटकलों का जवाब दिया कि क्या प्रशासन अदालती आदेशों का उल्लंघन कर रहा है? उन्होंने कहा, ष्प्रशासन ने अदालती आदेश का पालन करने से इनकार नहीं किया। यह आदेश, जिसका कोई वैधानिक आधार नहीं था, आतंकवादी टीडीए एलियंस को अमेरिकी क्षेत्र से पहले ही हटा दिए जाने के बाद जारी किया गया था।ष टीडीए एलियंस का पूरा नाम ट्रैन डे अरागुआ गिरोह है, जिसे ट्रम्प ने शनिवार को जारी अपने असामान्य उद्घोषणा में निशाना बनाया था। रविवार को अदालत में दायर एक दस्तावेज में न्याय विभाग, जिसने बोसबर्ग के निर्णय के विरुद्ध अपील की है, ने कहा कि यदि निर्णय को पलटा नहीं जाता है तो वह आगे निर्वासन के लिए ट्रम्प द्वारा की गई घोषणा का उपयोग नहीं करेंगे। ओह...बहुत देर हो गई, सल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले, जिन्होंने अपने देश की जेलों में +6 मिलियन की लागत से एक साल के लिए लगभग 300 अप्रवासियों को रखने पर सहमति व्यक्त की, ने बोसबर्ग के फैसले के बारे में सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा। उस पोस्ट को व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने फिर से प्रसारित किया। विदेश मंत्री मार्को रुबियो, जिन्होंने बुकेले के साथ अप्रवासियों को आवास देने के लिए पहले एक समझौता किया था, ने साइट पर पोस्ट किया, हमने ट्रेन डी अरागुआ के 250 से अधिक विदेशी दुश्मन सदस्यों को भेजा है, जिन्हें अल साल्वाडोर ने उचित मूल्य पर अपनी बहुत अच्छी जेलों में रखने पर सहमति व्यक्त की है, जिससे हमारे करदाताओं के पैसे भी बचेंगे। जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर के प्रोफेसर स्टीव व्लाडेक ने कहा कि विमानों को वापस मोड़ने का बोसबर्ग का मौखिक निर्देश तकनीकी रूप से उनके अंतिम आदेश का हिस्सा नहीं था, लेकिन ट्रम्प प्रशासन ने स्पष्ट रूप से इसकी ष्भावनाष का उल्लंघन किया है। व्लाडेक ने कहा, ष्इससे भविष्य की अदालतों को अपने आदेशों में अति विशिष्ट होने तथा सरकार को कोई छूट न देने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।ष ट्रम्प द्वारा 1798 के विदेशी शत्रु अधिनियम की घोषणा के बाद आप्रवासियों को निर्वासित कर दिया गया था, जिसका उपयोग अमेरिकी इतिहास में केवल तीन बार किया गया है।

संक्षिप्त

ट्रंप और पुतिन इस सप्ताह रूस–यूक्रेन युद्ध पर बात करेंगे : अमेरिकी दूत

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को समाप्त कराने के प्रयास के तहत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस सप्ताह बातचीत कर सकते हैं। ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने यह जानकारी दी। ट्रंप द्वारा जनवरी में राष्ट्रपति का कार्यभार संभाले जाने के बाद दोनों देशों के नेता दूसरी बार सार्वजनिक रूप से रूस–यूक्रेन

युद्ध पर बातचीत करेंगे। ट्रंप और पुतिन ने फरवरी में बातचीत की थी और यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए उच्च स्तरीय वार्ता शुरू करने पर सहमति जताई थी। विटकॉफ ने 'सीएनएन' के 'स्टेट ऑफ द यूनियन' कार्यक्रम में रविवार को कहा, ''मुझे लगता है कि इस सप्ताह दोनों राष्ट्रपतियों के बीच बहुत अच्छी और सकारात्मक चर्चा होगी।'' विटकॉफ ने इस सप्ताह रूस में पुतिन से मुलाकात की, जिसका उद्देश्य यूक्रेन पर देश के आक्रमण को समाप्त करना था। अमेरिकी विशेष दूत ने कहा कि उन्हें जल्द ही एक समझौता होने की उम्मीद है। विटकॉफ ने संभावित वार्ता को लेकर कहा, ''...मुझे वास्तव में उम्मीद है कि हम यहां कुछ वास्तविक प्रगति देखेंगे।

प्रधानमंत्री ओली का राजशाही समर्थकों पर कटाक्ष : नेपाल के लोकतंत्र में 'रिवर्स गियर' नही

नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने राजशाही समर्थक समूहों पर कटाक्ष करते हुए रविवार को कहा कि लोकतंत्र एक 'राजमार्ग' की तरह है, जिसमें कोई 'रिवर्स गियर' नहीं होता, केवल कभी–कभार तीखे मोड़ के कारण क्षणिक रूप से गति धीमी करनी पड़ती है। उन्होंने इसके साथ ही आगे बढ़ने पर जोर दिया। पिछले हफ्ते पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के सैकड़ों समर्थकों ने राजधानी में उनके स्वागत में रैली निकाली थी। ज्ञानेंद्र (77) पिछले सप्ताह रविवार को जैसे ही देश के विभिन्न भागों में धार्मिक स्थलों का दर्शन कर पोखरा से काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे, समर्थकों ने उनके पक्ष में नारे लगाने शुरू कर दिए। इस रैली का उद्देश्य नेपाल में राजशाही की पुनः स्थापना के प्रति समर्थन प्रदर्शित करना था। ओली ने रविवार को यहां महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए राजशाही समर्थक समूहों द्वारा हाल ही में किए गए विरोध प्रदर्शनों की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, ''हमें हमेशा आगे बढ़ने की जरूरत है। पीछे मुड़ना नहीं चाहिए। रिवर्स गियर (वाहन को पीछे ले जाने में सक्षम) कभी–कभी तब लगाया जाता है जब सड़क पर तीखे मोड़ हों। राजमार्ग पर कोई 'बैक गियर' नहीं है और लोकतंत्र हमारा राजमार्ग है।'' पूर्व राजा के समर्थक गत कई दिनों से काठमांडू और पोखरा सहित देश के विभिन्न हिस्सों में रैलियां निकाल रहे हैं और 2008 में समाप्त की गई राजशाही को पुनः बहाल करने की मांग कर रहे हैं। राजतंत्र समर्थक फरवरी में लोकतंत्र दिवस के बाद तब सक्रिय हुए जब ज्ञानेन्द्र ने कहा था, ''समय आ गया है कि हम देश की रक्षा करने और राष्ट्रीय एकता लाने की जिम्मेदारी लें।

पाकिस्तान: खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पांच आतंकी हमलों में तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में देर रात पांच अलग–अलग आतंकवादी हमलों में तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ये हमले पेशावर और करक जिलों में विभिन्न स्थानों पर हुए। करक जिले के तख्त नुसरती व खुर्रम मुहम्मद थानों और कुर्रम में ऐसिक खुमारी गैस फील्ड में हुए आतंकवादी हमलों में 'फ्रंटियर कोर' (एफसी) के एक जवान और पुलिस के एक अधिकारी की मौत हो गई। हमलों में कोर का एक कर्मी भी घायल हो गया। पेशावर में आतंकियों ने मचनी गेट और खजाना थानों पर गोलीबारी की। मचनी गेट हमले में पुलिस के एक अधिकारी की मौत हो गई। सुरक्षा बलों ने हालांकि तुरंत जवाबी कार्रवाई करते हुए आतंकियों को खदेड़ दिया। वारसाक संभाग के पुलिस अधीक्षक मुख्तार अली मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। करक के डीपीओ शाहबाज इलाही ने बताया कि करक में दो थानों पर हुए आतंकी हमलों को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि आतंकियों ने भारी हथियारों का इस्तेमाल करते हुए खुर्रम थाने और तख्त नुसरती थाने को निशाना बनाया था।

उत्तरी मैसेडोनिया के नाइट क्लब में आग लगने से मरने वालों की संख्या 59 हुई

अधिकारियों का कहना है कि उत्तरी मैसेडोनिया में एक नाइट क्लब में आग लगने से कम से कम 59 लोग मारे गए हैं और 155 से ज़्यादा लोग घायल हुए हैं। बता दें कि राजधानी स्कोप्जे से लगभग 100 किलोमीटर (60 मील) पूर्व में स्थित कोकानी शहर के पल्स क्लब में रात के 02:30 के आसपास आग लग गई, जहां 1,500 लोग देश की लोकप्रिय हिप–हॉप जोड़ी क्छज्ञ के संगीत कार्यक्रम में भाग ले रहे थे। प्रधानमंत्री ह्रिस्टिजान मिकोस्की ने इसे देश के लिए कठिन और बहुत दुखद दिन बताया, जिसने कई युवा लोगों की जान खो दी। आंतरिक मंत्री पैन्स टोस्कोवस्की ने घटनास्थल पर बिना कोई विवरण दिए कहा कि चार लोगों के लिए गिरफ़्तारी वारंट जारी किए गए हैं। उन्होंने पहले एक व्यक्ति की गिरफ़्तारी की घोषणा की और राज्य समाचार एजेंसी मिया ने कहा कि क्लब के मालिक को हिरासत में लिया गया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

अब नहीं मिलेगी एक फूटी कौड़ी भी, बीएलए के हमलों से डरे चीन ने रोक दिया पाकिस्तान का पैसा

इस वक्त हर पल पाकिस्तान में हो रहे आतंकी हमलों ने पाकिस्तान में कोहराम मचा रखा है। पाकिस्तानी सेना इस समय डर के साए में जी रही है। उधर सबसे बड़ा असर चीन पर हुआ है। बीएलए और टीटीपी के हमलों से इस समय चीन पर बड़ा प्रभाव पड़ा है। चीन इस समय पाकिस्तान में हुए आतंकी हमलों के लिए अब ये मान चुकी है कि पाकिस्तानी सेना इन आतंकी हमलों को रोक पाने में असमर्थ हैं। उसने बड़ा फैसला ले लिया है। चीन ने फैसला किया है कि वो मौजूदा समय में पाकिस्तान में चल रहे प्रोजेक्ट का पैसा रोक देगा। पाकिस्तान के दावे वाले बलूचिस्तान प्रांत में बलूच लिबरेशन आर्मी ने पांच दिनों में दूसरा हमला करके पाकिस्तानी सेना की नींद उड़ा दी है। उधर पाकिस्तान सरकार बिना पैसे के अब खाली हाथ बैठने वाली है। इधर सुसाइड अटैक की खबर आई और उधर चीन से भी एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। खबर मिल रही है कि चीन अब जल्द ही पाकिस्तान में चल रहे प्रोजेक्ट को लेकर बड़ा फैसला कर सकता है। खबरों की मानें तो चीन पाकिस्तान में चल रहे प्रोजेक्ट में फिलहाल के लिए रोक लगाने वाला है। चीन ने पाकिस्तान में सुरक्षा के नाम पर अपना अंधा पैसा लगाया है। जिसे देखते हुए पाकिस्तानी सेना अब तक कुछ भी पुख्ता नहीं कर पाई है। पाकिस्तानी सेना आतंकी हमलों को रोक पाने में असमर्थ साबित हो रही है। बीएलए के एक और हमले के बाद चीन के हौसले भी ठंडे पड़ चुके हैं। बीएलए ने दावा किया है कि उसने आत्मघाती हमले में 90 सैनिकों को मार डाला है। बलूच लिबरेशन आर्मी ने कहा कि बलूच विद्रोहियों द्वारा सैनिकों को ले जा रहे सैन्य काफिले पर हमला करने के बाद कुल 90 पाकिस्तानी सैन्यकर्मी मारे गए। हालांकि, एक पाकिस्तानी पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमले में केवल पांच अर्धसैनिक बल के जवान मारे गए। हमले की जिम्मेदारी लेते हुए, पाकिस्तान के बलूचिस्तान में अलगाववादी समूह बीएलए ने कहा कि उन्होंने ष्कुछ घंटे पहले नोशकी में आरसीडी राजमार्ग पर रक्षान मिल के पास वीबीआईईडी फिदायी हमले में कब्जे वाली पाकिस्तानी सेना के काफिले को निशाना बनाया। विद्रोही समूह ने दावा किया कि काफिले में आठ बसें थीं, जिनमें से एक विस्फोट में पूरी तरह से नष्ट हो गई।

नेशनल असेंबली के स्पीकर ने बंद कमरे में बुलाया सत्र, सांसदों को दिए जाएंगे सुरक्षा से जुड़े अपडेट

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष अयाज सादिक ने बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में घातक हमलों के बाद मंगलवार को राष्ट्रीय सुरक्षा पर संसदीय समिति की बंद कमरे में बैठक बुलाई है। डॉन अखबार ने सोमवार को बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नेशनल असेंबली के स्पीकर से मंगलवार को दोपहर डेढ़ बजे संसद भवन में सुरक्षा बैठक बुलाने को कहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, सैन्य नेतृत्व संसदीय समिति को मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर व्यापक जानकारी देगा। यह घटनाक्रम पड़ोसी अफगानिस्तान के साथ सीमा साझा करने वाले दोनों प्रांतों में हुए घातक आतंकवादी हमलों की शृंखला के मद्देनजर हुआ है। नेशनल असेंबली के एक सूत्र का हवाला देते हुए डॉन ने बताया कि चूंकि सुरक्षा पर कोई संसदीय समिति गठित नहीं की गई है, इसलिए नेशनल असेंबली की रक्षा और विदेश मामलों की स्थायी समितियों के सदस्य, संघीय कैबिनेट के सदस्य, चार प्रांतों के मुख्यमंत्री और सभी संसदीय दलों के नेता या उनके प्रतिनिधि बंद दरवाजे के सत्र में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर इस ब्रीफिंग में शामिल होंगे। इस बीच, अखबार ने बताया कि सरकार प्रांत में बढ़ते आतंकवादी हमलों में शामिल बीएलए और अन्य आतंकवादी समूहों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान की योजना बना रही है। प्रधानमंत्री के एक सहयोगी राणा अहसन अफजल ने कहा कि सरकार सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के लिए जल्द ही एक बहुदलीय सम्मेलन (एमपीसी) बुलाएगी। उन्होंने बलूचिस्तान में विद्रोहियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाने की योजना का भी खुलासा किया, लेकिन कोई विवरण नहीं दिया। रविवार को बलूचिस्तान के नोश्की जिले में संदिग्ध बलूच विद्रोहियों की ओर से अर्धसैनिक बलों के काफिले पर हमला किए जाने से तीन सुरक्षाकर्मियों सहित पांच लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। इस हमले की जिम्मेदारी प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली है। इससे पहले, पिछले हफ्ते की शुरुआत में, बीएलए ने इसी प्रांत में 440 यात्रियों को ले जा रही एक ट्रेन पर घात लगाकर हमला किया था और 21 यात्रियों और चार अर्धसैनिक बलों के जवानों को मार डाला था। सेना ने सभी 33 आतंकवादियों को मार गिराया और यात्रियों को बचा लिया। रविवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पांच अलग–अलग हमलों में तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए। 2024 में पाकिस्तान में हुए हमलों और मौतों में से 96 प्रतिशत से अधिक हमले बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में हुए

आतंकी अब्दुल बाकी नूरजई की क्वेटा में गोली मारकर हत्या, कल ही लश्कर आतंकी अबु कताल को बनाया निशाना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के आतंकी और जमीयत उलेमा ए इस्लाम के नेता मुफ्ती अब्दुल बाकी नूरजई की क्वेटा में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पाकिस्तान में हाल के समय में कई आतंकियों की अज्ञात हमलावरों द्वारा हत्या की गई है। अब उस कड़ी में अब्दुल बाकी नूरजई का नाम भी जुड़ गया है। गौरतलब है कि रविवार को ही लश्कर ए तैयबा के आतंकी अबु कताल की भी पाकिस्तान पंजाब के झेलम में गोली मारकर हत्या कर दी गई।

पाकिस्तान में टारगेट किलिंग का नया शिकार बना नूरजई

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नूरजई को क्वेटा हवाई अड्डे के नजदीक गोलियां मारी गई। हमले में नूरजई गंभीर रूप से घायल हुआ, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अभी तक नूरजई पर हमलावरों की पहचान नहीं हुई है और उनकी तलाश की जा रही है। पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में बीते कुछ समय से आतंकियों को निशाना बनाया जा रहा है। जिन लोगों को निशाना बनाया गया है, उनमें आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा, जैश ए मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े लोग शामिल हैं।

रविवार को ही अबु कताल को किया गया ढेर

अब्दुल बाकी नूरजई पर हमला ऐसे वक्त हुआ है, जब रविवार को ही लश्कर ए तैयबा के कमांडर जिया उर रहमान, जिसे नदीम उर्फ अबु कताल के नाम से भी जाना जाता था, उसे अज्ञात हमलावरों ने पंजाब के झेलम में मौत के घाट उतार दिया था। अबु कताल लश्कर ए तैयबा के संस्थापक खूंखार आतंकी हाफिज सईद का करीबी था और जम्मू कश्मीर में कई आतंकी हमलों में शामिल रहा था। अबु कताल ने साल 2000 की शुरुआत में जम्मू कश्मीर में घुसपैठ की और यहां कई आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया। पुंछ और राजौरी जिलों में अबु कताल का मजबूत नेटवर्क था। साल 2023 में राजौरी के डांगरी गांव में हिंदू समुदाय के लोगों पर हुए हमले के पीछे भी अबु कताल का नाम सामने आया था। उस हमले में पांच लोग मारे गए थे। जून 2024 में शिव खोड़ी मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं पर हमले के पीछे भी अबु कताल का ही हाथ था, जिसमें नौ लोग मारे गए थे।

सुनीता विलियम्स के धरती पर लौटने की तारीख तय, अंतरिक्ष यात्रियों ने मस्क–ट्रंप का जताया आभार

वॉशिंगटन । भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर की धरती पर वापसी की तारीख तय हो गई है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने बताया है कि ये दोनों और दो अन्य अंतरिक्ष यात्री मंगलवार शाम को धरती पर वापस लौटेंगे। नासा ने बताया कि सुनीता विलियम्स, बुच विल्मोर और एक अन्य अमेरिकी अंतरिक्षयात्री निक हेग और एक रूसी अंतरिक्षयात्री एलेक्जेंडर गोरबुनोव स्पेसएक्स के ड्रैगन क्राफ्ट यान से फ्लोरिडा के तट पर मंगलवार शाम करीब छह बजे धरती पर उतर सकते हैं। पहले इनके बुधवार को धरती पर लौटने की उम्मीद थी। स्पेसएक्स का ड्रैगन क्राफ्ट यान रविवार को चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पहुंचा था। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर बीते करीब नौ महीने से अंतरिक्ष स्पेस स्टेशन पर फंसे हैं। दोनों बीते साल जून में बोइंग के स्टारलाइनर यान से अंतरिक्ष पहुंचे थे, लेकिन स्टारलाइनर यान में तकनीकी खराबी के चलते दोनों वापस नहीं आ सके। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को अंतरिक्ष में 284 दिन बीत चुके हैं। ऐसे में दोनों को स्वास्थ्य संबंधी कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि अंतरिक्ष में लंबे समय तक शून्य गुरुत्वाकर्षण व तेज विकिरण में रहने से हड्डियों की कमजोरी, आंखों की रोशनी पर असर और शरीर का संतुलन बिगड़ने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। विकिरण के चलते कैंसर और तंत्रिका तंत्र संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कम हो सकती है।

मस्क और ट्रंप का आभार जताया

नासा के अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर ने स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आभार जताया है। एक्स पर मस्क द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में सुनीता विलियम्स ने कहा, श्हम जल्द ही वापस आ रहे हैं, इसलिए मेरे बिना योजनाएं न बनाएं। हम जल्द ही वापस आ जाएंगे।श बुच विलमोर ने कहा, श्हम सभी मस्क का बहुत सम्मान करते हैं और जाहिर तौर पर हमारे संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी सम्मान और प्रशंसा करते हैं। हम उनकी सराहना करते हैं, हम उनके हमारे लिए किए गए सभी कार्यों, हमारे देश के लिए मानव अंतरिक्ष उड़ान की सराहना करते हैं और हम उनके आभारी हैं।

अमेरिका में ग्रीनकार्ड धारक के साथ दुर्व्यवहार; हवाई अड्डे पर नंगाकर की गई जांच, डिटेंशन सेंटर भेजा गया

अमेरिका में एक वैध अमेरिकी ग्रीन कार्ड धारक के साथ आव्रजन अधिकारियों की ओर से दुर्व्यवहार करने का मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स की जानकारी के मुताबबिक 34 वर्षीय जर्मन नागरिक फेबियन श्मिट को 7 मार्च को मैसाचुसेट्स के लोगान हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। न्यूजवीक के अनुसार, श्मिट, जो अपनी किशोरावस्था से अमेरिका में रह रहे हैं और वर्तमान में न्यू हैम्पशायर में रहते हैं, लक्जमबर्ग की यात्रा से लौट रहे थे। उनके परिवार के अनुसार, श्मिट को गिरफ्तार किया गया, नंगा किया गया और सेंट्रल फॉल्स, रोड आइलैंड में डोनाल्ड डब्ल्यू. वायट डिटेंशन सेंटर भेजे जाने से पहले उनसे हिंसक पूछताछ की गई। उनके परिवार का दावा है कि उन्हें उनकी हिरासत के कारणों के बारे में पता नहीं है। उन्हांने बताया कि श्मिट के ग्रीन कार्ड का हाल ही में रिनिवल हुआ था और उनके खिलाफ कोई लंबित अदालती मामला भी नहीं है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।